सुविचार

मनुष्य को हमेशा यह नही सोचना चाहिए की वो अपने जीवन में कितना खुश है, बल्कि यह सोचना चाहिये की उस मनुष्य की वजह से दूसरे कितने खुश हैं।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

वर्ष 7, अंक-39 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 04 नवंबर 2022 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

कर दाताओं का विकास में महत्वपूर्ण योगदान: मुख्यमंत्री

■ छोटे टैक्सपेयर्स को भी पृथक श्रेणी में करेंगे पुरस्कृत, ■ भामाशाह समारोह में करदाताओं को दिए गए पुरस्कार

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के विकास में करदाताओं का महत्वपूर्ण योगदान है। प्रदेश की आर्थिक प्रगति को नए आयाम मिल रहे हैं। उद्योग और व्यापार क्षेत्र के सहयोग के साथ नागरिकों की भागीदारी से हम वैभवशाली, समृद्ध और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण में लगे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज रविंद्र भवन के हंसध्वनि सभागार में भामाशाह सम्मान समारोह में सर्वाधिक कर जमा करने वाले संस्थानों के उद्योग और व्यवसाय क्षेत्र के प्रतिनिधियों को सम्मानित कर रहे थे। समारोह में वर्ष 2020-21 और 2021-22 के लिए 5-5 श्रेणियों के कुल 10 पुरस्कार प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आगामी वर्ष से छोटे करदाताओं को भी पृथक श्रेणी में पुरस्कृत किया जाएगा। मुख्यमत्री श्री चौहान ने पुरस्कृत औद्योगिक और व्यापारिक संस्थानों को बधाई देते हुए समस्त करदाताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और उनका अभिनन्दन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ईमानदारी से धन अर्जित करने और ईमानदारी से टैक्स जमा करने का कार्य महत्वपूर्ण सेवा है। मध्यप्रदेश की विकास दर 19.76 प्रतिशत है। मध्यप्रदेश में प्रति व्यक्ति आय जो वर्ष 2003 में 13 हजार थी, अब एक लाख 47 हजार रूपये हो गई है।

उज्जैन में सामान्य वर्ग के लिए बढ़ाएंगे सुविधाएँ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि श्री महाकाल लोक के प्रथम चरण के उद्घाटन के बाद उज्जैन में होटलों की संख्या बढ़ रही है। सामान्य वर्ग यहाँ आगमन के बाद रहने की समस्या से परेशान न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ की जाएंगी। श्री महाकाल लोक के लोकार्पण के बाद उज्जैन और निकटवर्ती अंचल की आर्थिक गतिविधियों में तेजी आई है। प्रारंभ में मुख्यमंत्री श्री चौहान का स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न श्रेणियों के करदाताओं को पुरस्कार और सम्मान किए। वित्त और वाणिज्यिक कर मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि करों का भुगतान समय पर ईमानदारी से कर प्रदेश के विकास में सहयोग देने वाले उद्योगपतियों और व्यापारियों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान के मध्यप्रदेश को अग्रणी प्रांत बनाने के संकल्प में भी सहयोग दिया है।

ये प्रमुख उद्योगपति थे मंच पर आसीन

समारोह में मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ मंच पर विभिन्न औद्योगिक और व्यापारिक संस्थानों संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे। इनमें श्री राजिंदर गुप्ता, श्री श्रेयस्कर चौधरी, श्री नवनीत श्री महेश गुप्ता, लघु उद्योग भारती उपस्थित थे।

इन्हें मिले पुरस्कार

वर्ष 2020-21 के लिए जो व्यवसाई पुरस्कृत किए गए, उनमें 500 करोड़ रूपए से अधिक टर्न ओवर की श्रेणी में 10 लाख रूपए का पहला पुरस्कार व्ही.ई. कमर्शियल पीथमपुर और 7 लाख रूपए का दूसरा पुरस्कार अल्ट्राटेक सीमेंट जावद जिला नीमच को दिया गया। इसी तरह 50 करोड़ से 500 करोड़ अनधिक श्रेणी में पहला पुरस्कार 7 लाख रूपए प्रेम मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड, ग्वालियर को और 5 लाख रूपए का दूसरा पुरस्कार सीएट लिमिटेड इंदौर को दिया गया। डेढ़ करोड़ से 50 करोड़ से अनधिक टर्न ओवर श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 5 लाख रूपये क्षिप्रा एंड कंपनी प्रा.लि. उज्जैन को और द्वितीय पुरस्कर 3 लाख रूपये सुपर एजेंसी जबलपुर को दिया गया।

जानिए धर्म, मूल वंश, जाति, लिंग या जन्म स्थल भेदभाव निषेध अधिकार एवं अपवाद जानिए/Fundamental Right....

युवा प्रदेश भोपाल

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 से 18 तक नागरिकों को समानता का अधिकार प्राप्त है अनुच्छेद 14 में बताया गया है की सभी नागरिक कानून के सामने एक समान हैं एवं सभी को कानूनी संरक्षण प्राप्त हैं,लेकिन समानता का अधिकार यही तक सीमित नहीं है अनुच्छेद 14 तो एक नियम विहित करता है अनुच्छेद,15,16,17,18 उसको वर्णित करता है जानते हैं धर्म, मूल, वंश, जाति, लिंग आदि से भेदभाव वर्जित अधिकार एवं इसमें क्या अपवाद हैं।

- लेखक बीआर अहिरवार(पत्रकार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

भारतीय संविधान अधिनियम,1950 का अनुच्छेद 15 की परिभाषा-?

भारतीय संविधान का अनुच्छेद वर्तमान समय में छः खण्डों में बंटा हुआ है जिसमें प्रारम्भिक दो खण्ड समानता के मूल अधिकार को परिभाषित करते हैं एवं चार खण्ड उनके अपवाद की श्रेणी में आते हैं जानिए।

1. राज्य किसी भी नागरिक से केवल धर्म, जाति, मूलवंश, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव नहीं करेगा अर्थात राज्य ऐसा कानून नहीं बनाएगा जो किसी भेदभाव को उत्पन्न करता है।
2. प्रथम नियम में बताया गया है की राज्य धर्म, मूलवंश, जातिड्ड5, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर नागरिकों से भेदभाव नहीं करेगा एवं दूसरा नियम बताता है कि किसी भी नागरिक को धर्म, जाति, मूलवंश, लिंग एवं जन्मस्थान के आधार पर निम्न स्थानों पर जाने से नहीं रोक सकता है-

दुकान(हॉस्पिटल, क्लिनिक, वकील का चैंबर भी शामिल हैं), सार्वजनिक भोजनालय, होटल, सार्वजनिक मनोरंजन का स्थान(सिनेमा, सर्कस, संगीत कक्ष, मेला,कॉफी हाउस आदि), जन साधारण के प्रयोग के लिए समर्पित कुएं(हैंडपंप, नल आदि), तालाब, स्नानघाट,सड़क, सार्वजनिक समागम आदि।

3. **(अपवादात्मक खण्ड)-** राज्य सरकार को अधिकार है कि वह स्त्री एवं बच्चों के संरक्षण को देखते हुए विशेष उपबन्ध कर सकती है।
4. **(अपवादात्मक खण्ड)-** यह खण्ड भारतीय संविधान संशोधन अधिनियम,1951 द्वारा जोड़ा गया है इसके अंतर्गत सामाजिक एवं शैक्षिक दृष्टि से पिछले हुए नागरिक जैसे- पिछड़ा वर्ग के व्यक्ति, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगो के लिए राज्य सरकार विशेष उपबन्ध बना सकते हैं।
5. **(अपवादात्मक खण्ड)-** भारतीय संविधान संशोधन अधिनियम,2005 द्वारा एक नया खण्ड 5 जोड़ा गया जिसमें शैक्षिक या सामाजिक रुप से पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, जनजाति की प्रगति के लिए सरकारी या निजी शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश के लिए आरक्षण का उपबन्ध राज्य सरकार कर सकती है।
6. **(अपवादात्मक खण्ड)-** यह खण्ड भारतीय संविधान संशोधन, अधिनियम,2019 के 103 वे संशोधन द्वारा गया हैं इसके अनुसार राज्य सरकार आर्थिक रूप से पिछडे वर्ग(सामान्य वर्ग के वे लोग जो आय के आधार पर पिछड़े हो) के लिए शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश के लिए विशेष आरक्षण संबंधित नियम बना सकती है।

मुख्यमंत्री के नाम परिसंघ ने ज्ञापन दिया

मूलचन्द मेधोनिया भोपाल मोबाइल 8878054839

ग्वालियर। 1 नवंबर अनुसूचित जाति जनजाति संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ का संभागीय सम्मेलन मानस भवन में संपन्न हुआ सम्मेलन में पारित 13 सूत्री मांगों का ज्ञापन प्रदेश के मुख्यमंत्री जी के नाम से कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ एसडीएम श्रीमती पुष्पा पुशाम को दिया,ज्ञापन में ज्ञापन में प्रदेश के नवीन संसद भवन का नाम डॉक्टर भीमराव अंबेडकर संसद भवन किया जाए, निजीकरण बंद किया जाये पुरानी पैंशन बहाल की जायें नगर निगम निगम मंडलों मैं ठेका प्रथा की जगह नियमित कर्मचारियों की भर्ती की जाए, जातिगत जनगणना की जाये,बंद किये गये एस.सी/.एस.टी आश्रम छात्रावास चालू किये जाये, बैकलॉग निर्धारण में परिसंघ के पदाधिकारियों को शामिल किया जाए, अजाक थाना थानों ने अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के कर्मचारी पदस्थ किए जाएं 2 अप्रैल 18 को अनुसूचित जाति वर्ग पर दर्ज प्रकरण विना शर्त वापस लिए जाए, सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नति के मामले में सरकार आरक्षण के पक्ष में मजबूती की पैरवी करें आदि मुद्दे शामिल थे ज्ञापन देने वालों में संभागीय अध्यक्ष के वी दोहरे, जिला अध्यक्ष तरुण राजोरिया, महेश रत्नाकर, नरेंद्र चौधरी, आशीष रायपुरिया, जयंतीलाल जाटव आदि पदाधिकारी शामिल थे।

म.प्र. स्थापना दिवस की श्रृंखला में 4 नवम्बर को रोजगार दिवस के साथ होंगी एक जिला-एक उत्पाद संबंधी गतिविधियाँ

भोपाल। प्रत्येक जिले में ओडीओपी के प्रचार के लिये जिला मुख्यालयों में सेमीनार, प्रशिक्षण गतिविधियाँ की जायेंगी, जिसमें उत्पादों की मार्केटिंग एवं छोटे उद्यमियों एवं उत्पादक कैसे निर्यात शुरू करें आदि विषयों पर चर्चा होगी। सेमीनार में ओडीओपी उत्पादों की सफलता की कहानियों और नवाचारों का प्रदर्शन किया जायेगा तथा ओडीओपी उत्पादों के सफल उद्यमियों को सम्मानित किया जायेगा। गुणवत्ता मानकों पर चर्चा होगी। जिले में अनुसंधान और विकास संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने पर चर्चा होगी। ओडीओपी उत्पादों में से ÷प्रवासी भारतीय दिवस में आहार के लिये उत्पाद का चयन किया जायेगा। आईईसी, जीईएम, ई-बे एवं फ्लिपकार्ट पर ओडीओपी उत्पादकों को पंजीकृत करने के लिये हेल्प डेस्क स्थापित कर केम्प आयोजित किये जायेंगे।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम

औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग तथा म.प्र. इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 4 नवम्बर को राज्य स्तरीय वेबिनार किया जायेगा, जिसमें ओडीओपी के लिये रणनीति, निर्यातक कैसे बनें, जेम पंजीकरण, इंडिया ट्रेड पोर्टल की जानकारी, इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट्स और अवसर विषयों पर प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री संजय शुक्ला एवं एमपीआईडीसी के प्रबंध संचालक श्री जॉन किंग्सले तथा विषय-विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जायेगी।

मप्र के जनजातीय विद्यार्थियों ने कल्चरल फेस्ट में पाया देश में तीसरा स्थान

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने किया प्रदेश का नाम रोशन

भोपाल। केन्द्र सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत देश के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) के लिए बैंगलुरु में आयोजित तीसरे नेशनल कल्चरल फेस्ट में मध्यप्रदेश ने देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। तीन दिवसीय फेस्ट में देश के हजारों विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिसमें 13 विभिन्न विधाओं में मध्यप्रदेश के विद्यार्थियों ने अपनी जगह बनाई। मध्यप्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के अधीन संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के लगभग 80 जनजातीय विद्यार्थियों ने फेस्ट में यह उपलब्धि प्राप्त कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। बैंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में हुए प्रदेश के विद्यार्थियों को भव्य समारोह में पुरस्कार वितरित किए गए। इस दौरान इन जनजातीय विद्यार्थियों के दल ने कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत से भी भेंट भी की। इस उपलब्धि पर जनजातीय कार्य विभाग के आयुक्त संजीव सिंह सहित अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

अंग्रेजी भाषण, प्रश्नोत्तरी और अंग्रेजी में वाद-विवाद में रहे अव्वल

ईएमआरएस इंदौर की साक्षी मयड़िया और राजाराम ने प्रश्नोत्तरी में पहला स्थान प्राप्त किया। साक्षी ने अंग्रेजी भाषण में भी पहला स्थान प्राप्त किया। हिंदी वाद-विवाद में ईएमआरएस इंदौर की वैष्णवी वास्कले और पीवीटीजी, ईएमआरएस इंदौर की नेहा यशवंत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी वाद-विवाद में ईएमआरएस इंदौर के सौम्य राय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ईएमआरएस इंदौर की हिमांगी खपड़े ने स्पेल-बी में दूसरा स्थान हासिल किया। ईएमआरएस बड़वानी के कार्तिक डोडवे ने हिंदी भाषण में दूसरा और ईएमआरएस पाली के तीरथ सिंह ने काव्यपाठ में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

जनजातीय एकल गीत गायन में देश में प्रथम और शास्त्रीय गायन में भी अग्रणी

ईएमआरएस बुदनी की भारती बिघेले ने उप शास्त्रीय गायन में द्वितीय स्थान और ईएमआरएस धंसौर के आशीष मिश्र ने शास्त्रीय गायन में तीसरा स्थान प्राप्त किया। देशभक्ति समूह गायन में ईएमआरएस बड़वानी का दल तृतीय रहा। जनजातीय एकल गीत गायन में ईएमआरएस बुदनी की रंगिता ने पहला मुकाम हासिल किया। साथ ही, उप शास्त्रीय एकल गायन में ईएमआरएस तामिया के आशीष भारती ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

डोला नगर परिषद में मध्यप्रदेश के 67वां स्थापना दिवस के अवसर पर लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 का शुभारंभ किया

अनुपपूर/डोला। डोला नगर परिषद में मध्यप्रदेश के 67वां स्थापना दिवस के अवसर पर गया बड़े धूमधाम से बनाया गया लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 जिसमें मुख्यनगर पालिका अधिकारी श्री मुनींद्र प्रसाद मिश्रा जी के अध्यक्षता में माननीय अध्यक्ष ,माननीय उपाध्यक्ष जी के करकमलों द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया एवम लाड़ली बच्चो के द्वारा मध्यप्रदेश स्थापना गीत गा कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया एवम लाड़ली बच्चों द्वारा गायन प्रतियोगिता ,व्यंजन प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता ,रंगोली ,खेलकूद इत्यादि का आयोजन किया गया एवम उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत एवम प्रसस्ति पत्र प्रदान किया गया जिसमे मंच का संचालक मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री मुनींद्र प्रसाद मिश्र द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि श्रीमति रीनू सुरेश कोल जी विशिष्ट अतिथि उपाध्यक्ष श्री रविशंकर तिवारी जी

माननीय पार्षद महोदय, आंगनबाड़ी सुपरवाइजर श्रीमती सीमा जी एवम
श्रीमती निर्मला कुशवाहा (प्राचार्य)
श्री रजनीश कुमार साहू (मा. शिक्षक)

एवं सभी छात्र , छात्राएं।,गणमान नागरिक एवम नगर के सम्माननीय नागरिकों की उपस्थिति में सफल कार्यक्रम किया गया ,मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का प्रचार प्रसार किया गया ,एवम माननीय अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष जी द्वारा लाड़ली छात्र, छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई ।

चंदला विधानसभा मे बसपा की बैठक सम्पन्न, संगठन बनाने पर जोर

कालीचरण भारतीय

छतरपुर। कल दिनांक 29/10/2022 को बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में चंदला विधानसभा के जिम्मेदार पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओ की महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय संत रविदास धर्मशाला में आयोजित हुई । बैठक के मुख्य अतिथि मा. अनिल रवि जॉन प्रभारी ग्वालियर बसपा म. प्र. उपस्थित रहे विशिष्ट अतिथि मा. के. एल. बौद्ध जिला प्रभारी छतरपुर बसपा एवं शंकरलाल अहिरवार जिलाध्यक्ष बसपा छतरपुर बैठक की अध्यक्षता बरदानी कुशवाहा जी ने की बैठक में चंदला विधानसभा संगठन में आगामी 2023 विधानसभा चुनाव को देखते हुए बदलाव किया गया और चंदला विधानसभा संगठन में विधानसभा प्रभारी डी. डी. अहिरवार (धरमपुरा), बिहारीलाल राय (पूर्व सैनिक सरबई) विधानसभा अध्यक्ष बरदनी कुशवाहा (गहबरा) विधानसभा उपाध्यक्ष जयकरण साहू (गौरिहार) विधानसभा महासचिव अरविन्द मंगल (धरमपुर चितहरी) विधानसभा सचिव राजाराम अहिरवार (बछोंद) विधानसभा कोषाध्यक्ष राजा भैया (गुधोरा) को बनाया गया नवनयुक्त विधानसभा पदाधिकारियों से बैठक के मुख्य अतिथि ने कहा कि आप अभी लोगों को संगठन के प्रति निष्ठाभाव से कार्य करना होगा और चंदला विधानसभा के प्रत्येक बूथ पर जाकर बसपा के सक्रिय कार्यकर्ताओ को बूथ एवं सेक्टर कमेटी में शामिल करके संगठन को मजबूत करना होगा ताकि आगामी विधानसभा 2023 चुनाव में चंदला विधानसभा से बसपा का विधायक जीतकर म.प्र. विधानसभा में पहुंचे और छतरपुर जिला प्रभारी के. एल. बौद्ध ने बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओ से कहा कि सभी को एकजुट होकर बहुजन समाज पार्टी के लिए कार्य करना होगा एवं शंकरलाल अहिरवार जिलाध्यक्ष बसपा ने नवनयुक्त विधानसभा पदाधिकारियों को माला पहनाकर स्वागत किया और आगामी संगठन की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की बैठक में सुरेंद्र अहिरवार सरपंच (जिला सचिव) , डीडी अहिरवार जी , रामहृदय , बरदानी अहिरवार , अंकित राज , सुखसिंह, हरिलाल लभराहा, आदि कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

हम हैं किसान,हम हैं किसान।

हम हैं किसान,हम हैं किसान।।
हम पालते सारे जग को हैं।
पर खुद ही भूखे पले हुए।।
हमसे जग के चूल्हे जलते।
पर खुद लपटों में जुले हुए।।
हम सर्दी, गर्मी, वर्षा में।
होकर भी विषम सम रहते हैं।।
पड़ता हो कितना सूखा पर।
हम आंखों से नम रहते हैं।।
कुछ पता नहीं कब दीवाली।
निकली कब होली आई है।।
अधिकार मांगने की खातिर।
हमने भी गोली खाई है।।
आती-जाती हैं सत्ताएं।
सब थोड़ा-थोड़ा नोच रहीं।
देकर के आंसू आंखों में।
और खुद आकर के पोंछ रही।

लेखक: आशीष चौहान।
बाड़ी जिला रायसेन
मध्य प्रदेश।
7049734088

राजकुमार अहिरवार, प्रदेश महामंत्री (आई टी सेल सोशल मिडिया) के पद नियुक्त किए गए।

युवा प्रदेश ❑ भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल ग्रामीण क्षेत्रों में राजकुमार अहिरवार निवासी गागापुरा, दौलतपुरा तहसील बैरसिया जिला भोपाल अनुसूचित जाति जनजाति उत्थान महासंघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दिलीप घावरी एवं प्रदेश अध्यक्ष के द्वार नियुक्त प्रदान की है राजकुमार अहिरवार भोपाल ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस के सक्रिय युवा कार्यकर्ताओं में जाने जाते हैं भोपाल की बैरसिया विधानसभा अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित सीट है बैरसिया विधानसभा क्षेत्र के पहले युवा है इन्होंने 18 की उम्र में मध्यप्रदेश में अपनी अलग ही पहचान बनाई है इनकी सक्रियता और सामाजिक गतिविधियों को देखते हुए प्रदेश महामंत्री

आई टी सेल सोशल मिडिया के पद नियुक्त किया गया अहिरवार समाज के अनेकों लोगों ने राजकुमार अहिरवार को प्रदेश महामंत्री बनने पर प्रसंशा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राजकुमार अहिरवार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

दमोह जिले के देवरान गांव में तीन लोगो की हत्या के विरोध में भीम आर्मी जिला, आजाद समाज पार्टी भोपाल के कार्यकर्ताओं ने दिया ज्ञापन।

भोपाल। आजाद समाज पार्टी प्रदेश उपाध्यक्ष विलास वल्ले , भीम आर्मी भोपाल जिलाध्यक्ष जीतेन्द्र अहिरवार के तत्वाधान में माननीय राष्ट्पति महोदय जी माननीय राज्यपाल महोदय मध्य प्रदेश शासन, माननीय मुख्यमंत्री महोदय मध्य प्रदेश शासन, के नाम ज्ञापन दिया । दमोह जिले के देवरान गांव में अहिरवार समाज अनुसूचित जाति के परिवार के 3 लोगों की जानलेवा गोलियों से निर्मम हत्या कर दी गई जिस के संदर्भ में दोषियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही कर पीड़ित परिवार की न्याय की मांग करते हुए ,उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कर दोषियों को फासी दी जावे एवं आरोपों की संपत्ति को जमींदोज करने की कार्यवाही की जावे।

1. पीड़ित परिवार को 50 50 लाख रुपए का मुआवजा

2. परिवार के सदस्यों को शासकीय नौकरी प्रदान की जावे

3. परिवार के सदस्यों को सुरक्षा के लिए बंदूक लाइसेंस एवं पुलिस सुरक्षा दी जावे।

भोपाल जहांगीराबाद स्थित नीलम पार्क से पैदल मार्च निकालकर लिली टॉकीज चौराहा अंबेडकर प्रतिमा तक रैली निकली गई , एवं भाजपा सरकार के विरोध में ,ओर पीड़ितों को न्याय की मांग को लेकर नारे लगाए गए। इस ज्ञापन में मुख्य रूप से उपस्थित भीम आर्मी चंबल संभाग प्रभारी संदीप चौधरी जी,भीम आर्मी रायसेन जिलाध्यक्ष जीतेन्द्र मूलनिवासी ,नीलेश हिरोदे , राजेश जाटव, एवं तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे । भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने बताया कि अगर निश्चित समय के अंदर मांगो को पूरा नहीं किया गया तो बड़े भाई चंद्रशेखर आजाद जी मध्य प्रदेश आएंगे ओर प्रदेश व्यापी आंदोलन करेंगे ।

समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक न्याय पहुंचाना जिला प्राधिकरण का लक्ष्यः सचिव दांगी

सीहोर। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष आरएन चंद के निर्देश पर ग्राम पंचायत अल्हादाखेड़ी एवं हसनाबाद में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मुकेश कुमार दांगी ने निशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह, मध्यप्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना-2015, लोकोपयोगी लोक अदालत, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम एवं बाल विवाह निषेध अधिनियम आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सचिव दांगी ने बताया कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति, उपसमिति,पीड़ित एवं विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम के अंतर्गत पात्र व्यक्तियों को उनके विरुद्ध चल रहे प्रकरण या उनके द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने वाले प्रकरणों में निशुल्क एवं सक्षम विधिक सहायता दी जाती है।

लाड़लियों के सम्मान में कलेक्ट्रेट परिसर में हुआ वृहद कार्यक्रम

शहडोल। लाड़लियों के सम्मान में प्रदेश के सभी जिलों में गरिमामय सम्मान आयोजित किये जा रहे है। भोपाल के रवीन्द्र भवन से मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा वर्चुअल उद्बोधन को कलेक्ट्रेट परिसर में वृहद कार्यक्रम आयोजित कर देखा एवं सुना गया। स्थानीय स्तर पर लाड़लियों को सम्मान देने के लिए जय स्तम्भ चौक से बाणगंगा तिराहा तक लाड़ली पथ के नाम से स्थापित किया गया। इसी प्रकार कलेक्ट्रेट परिसर में लाड़ली वाटिका का लोकार्पण जयसिंहनगर विधायक श्री जयसिंह मरावी, विधायक जैतपुर श्रीमती मनीषा सिंह, कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती फूलवती सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष श्री घनश्याम जायसवाल, जनपद पंचायत सोहागपुर के अध्यक्ष श्रीमती हीरावती सिंह, बाल कल्याण समिति की सदस्य श्रीमती मेघा पवॉर, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत सोहागपुर श्री शक्ति सिंह, समाजसेवी श्री सूर्यकांत मिश्रा, श्री संतोष लोहानी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला कटारे, श्रीमती निभा गुप्ता, श्री शीतल पोद्दार, श्री गिरधर प्रसाद सिंह एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ।

स्थानीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक जयसिंहनगर श्री जयसिंह मरावी ने कहा कि हमारे प्रदेश में बेटियों की शिक्षा के लिए उन्नत मार्ग प्रशस्त करने के लिए लाड़ली लक्ष्मी योजना महिला बाल विकास द्वारा संचालित किया जा रहा है। हमारे प्रदेश में जो सम्मान बेटियों को प्रदान किया जा रहा है वह दूसरे प्रदेशों के लिए अनुकरणीय उदारण प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि बच्चियों के सामाजिक विकास, आर्थिक विकास एवं शैक्षणिक विकास के लिए कई योजनाएं संचालित है। महिला बाल विकास द्वारा बच्चियों एवं गर्भवती माताओं के पोषण आहार वितरण के साथ-साथ उन्हें समय-समय पर आवश्यक समझाईश भी दी जाती है। बेटियां हमारे समाज, हमारे परिवार एवं राष्ट्र की शान है जब समाज मे बेटा-बेटी समान रूप से माने जाएगें तो हमारा समाज राष्ट्र परिवार चौमुखी विकास करेगा। कार्यक्रम को सम्बोंधित करते हुए विधायक जैतपुर श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि लाड़लियों को इस मंच के माध्यम से वंदन एवं अभिनंदन करने का यह अवसर पर है। बेटियां कमजोर नही है बल्कि हमारे समाज की धुरी है इनको समाज में बेटो के साथ समानता का अधिकार है लाड़ली लक्ष्मी योजना बेटियों को स्वावलंबन की राह में व आत्मनिर्भर बनाने तथा मन चाही शिक्षा प्राप्त करने के लिए मील का पत्थर साबित हो रही है। जिसमें बेटी के पैदा होने से लेकर 18 वर्ष के लिए शासन द्वारा आत्म सम्मान राशि प्रदान की जाती है।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

खास

शोषितों तुम कब और
क्यो हो खास ?
इस बात का तुम सब
करो अहसास?
जब धर्म की बात
होता है?
तब तुम हिंदू समझें
जाते हो
जब समानता की बात हो
तुम शोषित कहलाते हो
जब भारत को हिंदुस्तान
बनाना था?
तब शोषितों से थी आस
शोषितों तुम क्योऔर
कब थे खास ?
कभी हिंदू कहते हैं
कभी शुद्र कहते हैं
इस पीडा को शोषित
कब से सहते हैं
हिंदू कहाकर भी
हम क्यो है उदास ?
शोषितों तुम कब और
क्यो हो खास ?
देश के बंटवारे के समय
जनगणना में हिंदू
लिखा गया था ?
हिंदुस्तान बन जाते ही
शोषितों को शुद्र लिखा
जाने लगा ?
देश पर एकाधिकार करते ही
शुद्र का तमगा दिया
जाने लगा ?
धार्मिक आडंबर में शुद्रो को
हिंदू कहते हैं
सामाजिक सच्चाई में शुद्रो से
भेदभाव करते हैं
क्यो हम ऐसे धर्म को
अपना माने ?
जो वंचितों को तुच्छ
और घृणित जाने ?
शुद्रो के वोट लेने में
भेदभाव नहीं ?
शुद्रो के चंदा चढोत्तरी से
परहेज नहीं
तो शुद्रो के साथ रोटी बेटी
की शुरुआत करो
छुआछूत भेदभाव को
खत्म करने की बात करो
कब तक शोषित समझ
हमे बनाओगे दास
शोषितों तुम कब और
क्यो हो खास
इस बात का तुम्हें नहीं
हैं अहसास
संविधान ने एक मत
एक मुल्य
का अधिकार दिया है
शोषितों के वोटो से
शासक बनाया जाता है
शोषितों के वोटो से
शासक बनने वाले
शोषितों को अधिकार
नही दिलाते ?
शोषितों तुम्हारा लहु
पानी है क्या?
शोषितों की सरकार
क्यो नही बनाते ?
कोई भी राजनीतिक पार्टी हो
शोषकों को वोट
शोषित वर्ग क्यो देते हो ?
सदियों की गुलामी फिर
अपने सर मढ लेते हो ?
क्या तुम्हें देश के शासक
बनने की नहीं है प्यास ?
शोषितों अपने वोटो की
कीमत तो बनाओ खास
तुम कल भी थे,खास
तुम आज भी हो,खास
तुम भविष्य में भी रहोगे,खास
तुम्हे इस सच्चाई का
होना चाहिए अहसास
तुम्हे इस सच्चाई का
होना चाहिए अहसास??

मत बनो इन तीनों
बंदरों की तरह

हरीश पांडल
विचार क्रांति

बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान मे जिला की मासिक बैठक सम्पन्न

कालीचरण भारतीय छतरपुर

छतरपुर। बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान मे पार्टी के सभी पदाधिकारी जिला इकाई की मासिक बैठक का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि मा.अनिल रवि ग्वालियर जोंन इंचार्ज बीएसपी ने बैठक ली , जिसमे विशिष्ट अतिथि मा. के. एल. बौद्ध जिला प्रभारी छतरपुर उपस्तिथ रहे साथ ही बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शंकर लाल अहिरवार ने कहा जिले मे बसपा का संगठन मजबूत करने के लिए सभी विधानसभा अध्यक्षत एवं प्रभारी जी को जिम्मेदारी सोपी गई है । पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओ से सुझाव मांगे पार्टी को मजबूत करने की बात रखी । जिला प्रभारी के एल बौद्ध जी ने अपनी बात रखने रखते हुए कहा कि मेरा तन मन धन से पार्टी के लिए समर्पित है और बूथ लेवर तक संगठन मजबूती के लिए जोर दिया जाएगा अनिल अंत मे मुख्य अतिथि अनिल रवि ने अपनी बात रखते हुए कहा हमारी नेता सिर्फ एक है मा.बहन कुमारी मायावती जी और मैं पार्टी का छोटा सा कार्यकर्ता हुँ.. बहन जी के सिवा कोई नेता बन कर नही पार्टी का कार्यकर्ता बन कर काम करेंगे जिससे कोई भी कार्यकर्ता खुद को बड़ा नेता न बोले । पार्टी के नेताओं को महापुरुषों की विचार धारा पर चलना होंगा और उन्हे पार्टी के कार्यकर्ताओ को संगठन बना कर मजबूती से काम करेंगे बसपा की ताकत दिखाई देगी । जिले मे खाता खोला जायगा और बसपा का संगठन बनाने पर जोर दिया जाय अभी कार्यकर्ता एक साथ मिल कर काम करे आपसी ताल मेल जरूरी हैं। आगामी विधानसभा चुनाव 2023 मे बसपा की ताकत दिखाई देगी । जिले मे खाता खोला जायगा और बसपा का संगठन बनाने पर जोर

दिया जाय अभी कार्यकर्ता एक साथ मिल कर काम करे आपसी ताल मेल जरूरी हैं। बैठक मे मुख्य अतिथि मा. अनिल रवि जोन प्रभारी ग्वालियर बसपा मप्र विशिष्ट अतिथि मा. के एल बौद्ध जिला प्रभारी छतरपुर बसपा विशेष अतिथि महेंद्र गुप्ता जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व प्रत्याशी विधानसभा विजाबर, विनोद पटेल पूर्व प्रत्याशी विधानसभा राजनगर बैठक की अध्यक्षता शंकरलाल अहिरवार जिलाध्यक्ष बसपा छतरपुर ने की सर्वप्रथम बैठक में उपस्थित समस्त अतिथियों ने बहुजन समाज में जन्मे सभी संतो गुरुओ एवं महापुरुषों के छायाचित्र पर माल्यार्पण करते हुए बैठक के मुख्य अतिथि अनिल रवि जी ने मासिक समीक्षा की एवं संगठन के मज़बूत करने के लिए आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि जब हम अपने मुखिया की बात मानेंगे तभी हम आगामी विधानसभा चुनाव 2023 में ज्यादा से ज्यादा विधानसभा की सीटें जीत सकेंगे होगी बैठक में उपस्थित रामराजा पाठक, रानी वर्मा, संजू सिंह, उमा अहिरवार, दीपक भैया पाली जिला संयोजक, प्रमोद

अहिरवार विधानसभा प्रभारी राजनगर सतीश वर्मा विधानसभा प्रभारी छतरपुर, पूरन वर्मा विधानसभा प्रभारी महाराजपुर, डी डी अहिरवार विधानसभा प्रभारी चंदला, बिहारीलाल राय विधानसभा प्रभारी चांदला, जी एल अहिरवार विधानसभा प्रभारी बिजावर, संतोष वर्मा विधानसभा अध्यक्ष बिजावर, प्रमोद अहिरवार विधानसभा अध्यक्ष राजनगर, बरदानी कुशवाहा विधानसभा अध्यक्ष चंदला, नीरज वर्मा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राजनगर कालीचरण अहिरवार विधानसभा उपाध्यक्ष राजनगर , चंदा भैया, देशराज पाल, छन्नू पाल , विपिन विश्वकर्मा,बलराम भास्कर, बलबीर रजक, मुकेश चौधरी मोहम्मद इमरान पत्रकार, राजाराम पाल, धीरेंद्र यादव, सचिन तिवारी, नीरज कुमार,दीपक कुशवाहा अनिल बंसल असरफ मंसूरी आदि।

रेगर समाज ने स्वामी ज्ञान स्वरूप जी महाराज व आत्माराम लक्ष्य जी को याद किया

राम लाल रेगर झालावाड़ राजस्थान

संवाददाता

राजस्थान। अखिल भारतीय रैगर महासभा के तत्वाधान में 2 नवंबर को रैगर दिवस के रूप मनाया गया यह कार्यक्रम स्वामी आत्माराम लक्ष्य की जन्मस्थली शिवदासपुरा में आयोजित किया गया कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी आत्माराम लक्ष्य जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलन कर की गई कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सीताराम मौर्य पूर्व सरपंच भांडारेज ने कहा कि समाज के महान संत स्वामी आत्माराम लक्ष्य जी ने शिवदासपुरा की पावन धरा पर जन्म लेकर देशभर में समाज के लिए काम किया था समाज को आत्माराम लक्ष्य जी के जीवन तथ्यों के बारे में जानना चाहिए इसके बाद भामाशाह तुलसीदास चिंतामणि ने कहा कि स्वामी आत्माराम लक्ष्य जी कि जन्म स्थली शिवदासपुरा में उनकी मूर्ति लगनी चाहिए इसके लिए मेरी तरफ से मूर्ति की घोषणा करता हूं इस पर स्थानीय सभी गांव वालों ने जमीन तलाश कर मूर्ति लगाने के लिए सहमति दी है। इस दौरान समाज के वरिष्ठ नेता लादूराम जाबडोलिया, पूरण मल रहडिया,अनिल जलुथरिया, गोरधनलाल बोहरा,स्वामी जी के परिवार से धन्नालाल खोरवाल सहित आदि समाज बंधु उपस्थित रहे।

गरीब विरोध भाजपा सरकार का होगा पुतला दहन अनुसूचित जाति वर्ग के साथ हो रहे अन्याय ।

मूलचन्द मेधोनिया भोपाल मोबाइल 8878054839

भोपाल। म.प्र. पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ जी के आह्वान पर आदरणीय श्री प्रदीप अहिरवार जी(प्रदेश अध्यक्ष) ङ्क अनु. जाति विभाग मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी एवंसदस्य अनु. जाती आयोग राज्य (मंत्री दर्जा प्राप्त) के नेतृत्व में

दिनांक-02/11/2022

सुबह-11:00 बजे

स्थान- मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी परिसर भोपाल

में समस्त प्रदेश कार्यकारिणी व समस्त जिला अध्यक्षों की बैठक आयोजित की गई है , जिसमें भारतीय जनता पार्टी के वर्तमान शासन काल मे मध्यप्रदेश दमोह के बरवांसा गांव मे अनुसूचित जाति वर्ग के पूरे परिवार में लोगो को खुलेआम गोली मार कर हत्या कर दी गयी , साथ ही वर्तमान में बढ़ते अपराधों हत्या , बलात्कार जैसी घटनाएं एवं बड़नगर में अनुसूचित वर्ग की बहन श्रीमती निर्मला बाई जो कि एक महिला जनपद पंचायत अध्यक्ष होते हुए भी उनके साथ सामाजिक भेदभाव के कारण शिलान्यास व आमंत्रण कार्ड से नाम हटा कर पक्षपात की राजनीति को बढ़ावा देती भाजपा सरकार के विरोध में , प्रदेश के अहंकारी मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान व आर.एस.एस. विचारधारा के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.ड़ी शर्मा का पुतला दहन कर प्रदर्शन किया जाएगा जिसका समय दोपहर 2 बजे निश्चित है , आप सभी समस्त कांग्रेस पदाधिकारीयो व कार्यकर्ताओ से निवेदन है कि, समय 11: 00 बजे PCC परिसर पहुंचे बैठक व आक्रोश रैली इंदिरा गांधी जी की प्रतिमा से प्रारंभ होकर बोर्ड ऑफिस बाबा साहेब अंबेडकर जी चौराहा पर समापन होगा ।।

राजगढ़ जिले के चार सीएम राईज विद्यालयों को प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में भूमि पूजन किया गया

राजगढ़। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा आज प्रदेश में 2519 करोड़ रुपये लागत के 69 सी.एम. राइज़ विद्यालयों का इंदौर में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में भूमि पूजन किया गया। इसमें राजगढ़ जिले के बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजगढ़, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहगढ़, शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जीरापुर तथा शासकीय हाई स्कूल मऊ शामिल है। प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा सीएम राइज़ विद्यालयों के प्रदेश स्तरीय भूमि पूजन कार्यक्रम जिले के उक्त विद्यालयो में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थितजनों को दिखाया-सुनाया गया।

नगर परिषद डूमरकछार कार्यालय में मध्यप्रदेश का 67वां स्थापना दिवस कार्यक्रम सम्पन्न

देश का हृदय है मध्यप्रदेश- चौरसिया

अनूपपुर/डूमरकछार। मध्यप्रदेश का 67 वां स्थापना दिवस कार्यक्रम नगर परिषद डूमरकछार कार्यालय मे मुख्य नगरपालिका अधिकारी राकेश कुमार शुक्ला के अध्यक्षता, नगर परिषद डूमरकछार के अध्यक्ष सुनील कुमार चौरसिया के मुख्यातिथ्य व उपाध्यक्ष कंचना मेहता के गरिमामय आतिथ्य में संपन्न हुआ कार्यक्रम में अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष ,सीएमओसहित पार्षद सरिता यादव चंदा देवी महरा,रवि सिंह,राकेश दीवान, रंजीत वर्मा ने मॉ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।इसके उपरांत अध्यक्ष श्री चौरसिया ने ध्वजारोहण कर राष्ट्गान (जन गण मन) का गायन किया इस मौके पर पार्षद राकेश दीवान,रवि सिंह,रंजीत वर्मा, सरिता यादव,चंदा देवी महरा, जीतेंद्र चौहान,रंजीत वर्मा एवं सभी नगर परिषद कर्मचारी सहित विभिन्न विभागों के शासकीय सेवक व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर सीएमओ राकेश कुमार शुक्ला ने सभी नगर वासियो,पार्षदगण, व कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी। स्थापना दिवस के अवसर पर अध्यक्ष श्री चौरसिया ने सभी नागरिक, पार्षदगण, कर्मचारियों को शुभकामना देते हुए भारत माता की जय जयकारों के सांथ अपने वाणी की शुरूआत कि श्री चौरसिया ने कहा कि जब भाजपा की सरकार नही थी तो इस तरह के कार्यक्रम बहुत कम हुआ करते थे इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार अपने कर्मचारियों

के माध्यम से क्षेत्र के जनता को यह संदेश देती है की कार्यक्रम की विषयवस्तु से गरिमा को समझ सके श्री चौरसिया ने राष्टीयता के भाव को दिखाने के कई तरीके एवं अनुभवो को भी सांझा किया हर व्यक्ति के अंदर राष्ट भक्ति और प्रेम का भाव होता है जिससे हमारा देश, समाज, हमारा मोहल्ला,हमारा नगर सदैव प्रगति के पथ पर आगे बढता रहता है इसी भाव को समाज हित मे निरंतर बनाए रखने के लिए इस तरह के समाजिक कार्यक्रमो का आयोजन होता है श्री चौरसिया ने बताया कि मध्यप्रदेश की स्थापना 01 नवंबर 1956 को हुई थी और इसे 01 नवंबर 2000 को एक नया छत्तीसगढ़ राज्य बनाने के लिए पुनर्गठित किया गया था यह देश के मध्य मे स्थित होने से जो नक्शे पर भी दर्शाता है इस राज्य का नाम मध्यप्रदेश पड़ा जिसे पूरे देश का हृदय भी कहा जाता है मध्यप्रदेश की राजधानी पहले नागपुर थी जो

अब भोपाल है श्री चौरसिया ने स्थापना दिवस के अवसर पर उपस्थित सभी नागरिक,पार्षद,कर्मचारियों,समाज सेवियों से आग्रह करते हुए कहा कि समाज की उन्नति, तरक्की,उत्थान के विषय मे कोई भी व्यक्ति छोटे से छोटे जनप्रतिनिधि, कर्मचारी का वही महत्व है जो प्रदेश के बड़े पदों पर बैठे जन प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों का है कलेक्टर का है।कर्मचारी हो या जनप्रनिधि वह जिस जगह पर है अगर वह अपने दायित्वों का निर्वहन नही करेंगे तो समृद्धि खुशहाली कैसे आएगी। श्री चौरसिया ने आगे कहा है कि अधिकारी कर्मचारी शासन के नियमो के अनुसार अपने कार्यो को करते है जिसका लाभ जनता को मिलता है। सभी को साथ मिलकर प्रदेश के स्वर्णिम विकास में अपना योगदान देते हुए कंधे से कंधा मिलाकर सामाजिक मुद्दों, शासन की योजनाओं को आगे बढ़ाने का आग्रह भी श्री चौरसिया ने किया।

नवजात को जन्म प्रमाण पत्र माता के अस्पताल से डिस्चार्ज होने पर ही मिले

स्वास्थ्य विभाग की टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित

❑राजगढ़

कलेक्टर हर्ष दीक्षित ने जिले के समस्त शासकीय चिकित्सा केन्द्रों को निर्देषित किया है कि संस्थागत प्रसव के लिए भर्ती माताओं के नवजात को जन्म प्रमाण पत्र संस्थान से डिस्चार्ज के समय ही प्रदाय किया जाए। ताकि बच्चे का नाम भविष्य में समग्र आई.डी. में नाम जोड़ने तथा विद्यालय में प्रवेष के समय किसी प्रकार की समस्या नहीं आए।

मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान में बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण न तो समग्र आई.डी. में नाम जुड पा रहा है, न ही राषन मिल पा रहा है और उनके विद्यलय में प्रवेष में भी समस्याएं सामने आ रही। इस हेतु उन्होंने मीजल्स रूबेला इलिमिनेषन हेतु सर्वे कार्य के निर्धारित प्रपत्र में बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र है या नहीं। उसका जन्म कहा हुआ है और समग्र आई.डी. में नाम है या नहीं की पृविष्टी करने के निर्देष दिए। यह निर्देष उन्होंने गत स्वास्थ्य विभाग की टास्क फोर्स की आयोजित बैठक में दिए। उन्होंने सर्वे कार्य में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को भी शामिल करने, सर्वे कार्य में गंभीरता से और समय सीमा में करने तथा मीजल्स रूबेला टीकाकरण अभियान से कोई भी नौ माह से पांच वर्ष तक का लक्षित बच्चा छूटे नही सुनिष्चित करने निर्देषित किया। बैठक के प्रारंभ में विष्व स्वास्थ्य संगठन के अंकित ने कहा कि निर्धारित अवधि में मीजल्स रूबेला टीकाकरण अभियासन अंतर्गत हेडकाउट सर्वे 01 से 07 नवम्बर, 2022 तक तथा प्रथम चरण में टीकाकरण 14 से 19 नवम्बर, 2022 तक तथा द्वितीय चरण में टीकाकरण 19 से 25 दिसम्बर, 2022 तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रोग से बचाव के लिए टीकाकरण होने पर रोग दषा में बच्चों की मृत्यु की संभावनाएं कम हो जाती है। उन्होंने कहा कि मीजल्स रूबेला रोग से बचाव एवं इंडिकेटर में सुधार अभियान का मुख्य उद्देष्य है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपक पिप्पल, सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. राजेन्द्र कटारिया, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. भकोरिया सहित जिले के समस्त विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने जीरापुर जनपद पंचायत क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों का किया भ्रमण

❑राजगढ़

कलेक्टर हर्ष दीक्षित ने जीरापुर जनपद पंचायत क्षेत्र का भ्रमण कर प्रधानमंत्री आवास, नल-जल योजना, खाद्यान्यन पर्ची, आयुष्मान कार्ड एवं आधार कार्ड के हितग्राहियों से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने प्रभारी अधिकारी प्रधानमंत्री आवास पींजारा को निर्देषित किया कि 45 दिवस से अधिक अपूर्ण प्रधानमंत्री आवासों का निरीक्षण करें तथा उन्हें शीघ्र पूर्ण कराएं। इस दौरान उन्होंने पीपल्याकुल्मी, कचनारिया तथा रानीपुरा आदि ग्रामों का भ्रमण किया। ग्रामीणें से सार्वजनिक वितरण प्रणाली से राषन मिलने, स्कूल खुलने एवं शैक्षणिक व्यवसायों तथा आंगनवाड़ी केन्द्रों की जानकारियां ली।

कलेक्टर हर्ष दीक्षित ने कुंडलिया जल समूह योजना का किया निरीक्षण

❑राजगढ़

कलेक्टर हर्ष दीक्षित द्वारा कुंडलिया जल समूह योजना के स्थानों का भ्रमण किया। जिसमें ग्राम के निर्माण कार्य, ग्राम डूंगरी के निर्माण कार्य, एमबीआर, नल कनेक्शन, रोड , रेस्टोरेशन का विस्तार आदि का जायजा लिया गया। उन्होंने निरीक्षण उपरांत ग्राम पिपलियाकुल्मी में जल समूह योजना एवं प्रधानमंत्री आवास का भी संयुक्त निरीक्षण किया। कुंडालिया जल समूह योजना के 538 ग्राम जल शोधन संयंत्र, 68 एमएलडी क्षमता का निरीक्षण कर निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों को गुणवत्ता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। नल-जल योजना के घरेलू नल कनेक्शन को समय अवधि में पूर्ण कर जल प्रदाय प्रारंभ करने हेतु निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक प्रमोद उपाध्याय, उपप्रबंधक राहुल राठौर, पी.आई.यू. राजगढ़ जल निगम स-ज कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर, गुणवत्ता टीम के अधिकारी निलेश राठौर उपस्थित रहें।

सीएम राईज स्कूलों से शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक क्रांति आएगी: स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी

❑ रायसेन

स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा रायसेन में आयोजित सीएम राईज स्कूल भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम का कन्यापूजन और दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। आगे चलकर यही देश-प्रदेश की तकदीर और तस्वीर बदलेंगे। जैसा हम उन्हें सिखाएंगे, शिक्षा देंगे वैसे ही वह आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रदेश में शिक्षा का स्तर और अधिक गुणवत्तायुक्त बनाने, स्कूली शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन करने के लिए सीएम राईज स्कूल शुरू करने का क्रांतिकारी निर्णय लिया। सीएम राईज स्कूलों से शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक क्रांति आएगी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा इन्दौर से 2519 करोड़ 12 लाख रूपये की लागत से रायसेन सहित प्रदेश में बनने वाले 69 सीएम राइज स्कूल का भूमि-पूजन किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में जिले में तीन स्कूलों, रायसेन सहित गैरतगंज तथा औबेदुल्लागंज में सीएम राईज स्कूलों का भूमिपूजन किया गया है। इनमें दो स्कूल सांची विधानसभा में ही है। उन्होंने कहा कि बच्चे भी सीएम राईज स्कूलों में शिक्षा प्राप्त करने के लिए उत्साहित है। बच्चों में आगे बढ़ने की ललक है, वह भी आगे बढ़ना चाहते हैं। देश-प्रदेश में अपना, माता-पिता का, जिले का नाम रौशन करना चाहते हैं। स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने कहा कि जिले में बच्चों को शासकीय स्कूलों में बेहतर से बेहतर शिक्षा मिले, इसके लिए लगातार प्रयासरत है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने कहा कि सीएम राईज स्कूल 38.38 करोड़ रू की लागत से बनाया जाएगा। सीएम राइज स्कूल में स्मार्ट माध्यम से शिक्षा दी जाएगी और आधुनिक प्रयोगशाला, कम्प्यूटर लेब, स्मार्ट क्लॉस, पुस्तकालय की सुविधा के साथ कला, संगीत, खेल-कूद और व्यवसायिक शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी भी इन स्कूलों में उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में सभी क्षेत्रों में विकास कार्य किए जा रहे हैं। मरीजों को त्वरित और बेहतर उपचार मिले, इसके लिए स्वास्थ्य सेवाओं तथा सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। लोगों को विभिन्न स्वरोजगार मूलक योजनाओं के माध्यम से रोजगार से जोड़ा जा रहा है। रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। पात्र लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जा रही है। आयुष्मान और संबल योजना चलाई जा रही है। प्रत्येक वर्ग के विकास और कल्याण को ध्यान में रखकर सरकार द्वारा काम किया जा रहा है।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा ने कहा कि यह जिले के लिए सौभाग्य की बात है कि पहले ही चरण में रायसेन जिले में तीन सीएम राईज स्कूल प्रारंभ किए गए हैं। इन स्कूलों में बच्चों को आधुनिक तरीके से और अधिक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी तथा आगे चलकर वह सफलता के आयाम स्थापित करेंगे। उन्होंने सभी बच्चों और शिक्षकों को शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के इंदौर में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का लाईव प्रसारण भी देखा व सुना गया। इस अवसर पर रायसेन नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता जमना सेन, कलेक्टर अरविंद दुबे, जिला पंचायत सीईओ पीसी शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी एमएल राठौरिया ने बताया कि जिले में तीन सीएम राईज स्कूलों का भूमिपूजन किया गया है। इनमें रायसेन में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाटनदेव रायसेन, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गैरतगंज तथा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय औबेदुल्लागंज शामिल हैं। इन सीएम राईज स्कूलों में शासन की मंशानुरूप बच्चों को शिक्षा दी जाएगी। इन स्कूलों के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। जिससे बच्चों को शिक्षा से उनके द्वारा चुने गए पथ पर आगे बढ़ने, अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने में समर्थ बनाने और परिपूर्ण जीवन जीने के लिए अवसर एवं सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में रायसेन सीएम राईज स्कूल की प्राचार्य डॉ सीमा शर्मा ने बताया कि सीएम राइज स्कूल में स्मार्ट माध्यम से शिक्षा दी जाएगी और आधुनिक प्रयोगशाला, कम्प्यूटर लेब, स्मार्ट क्लॉस, पुस्तकालय की सुविधा के साथ कला, संगीत, खेल-कूद और व्यवसायिक शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। सीएम राइज स्कूल में केजी से लेकर कक्षा 12वीं तक शिक्षा दी जाएगी। स्कूल में विश्व-स्तरीय अधो-संरचना, परिवहन सुविधा, नर्सरी एवं पूर्व प्राथमिक कक्षाएँ, स्मार्ट क्लॉस एवं डिजिटल लर्निंग, शत-प्रतिशत स्टॉफ एवं सहायक स्टॉफ, स्टॉफ की क्षमता वृद्धि, सुसज्जित प्रयोगशालाएँ, वाचनालय, पाठ्येत्तर सुविधाएँ, 21वीं सदी की आवश्यकता के अनुरूप कौशल कार्यक्रम, व्यावसायिक शिक्षा दी जाएगी।

28 गांवों के 1340 किसानों को मिला डीएपी, यूरिया व प्रमाणित गेहूं का बीज

सलामतपुर। सहकारी समिति सलामतपुर में संस्था अंतर्गत आने वाले 8 पंचायतों के 28 गांवों के किसानों को अब आसानी के साथ खाद व प्रमाणित बीज मिल रहा है। शनिवार को संस्था कार्यालय में बड़ी संख्या में आसपास क्षेत्रों तिजालपुर, कटसारी, बागोद, मेढ़की, कचनारिया, शाहपुर, मुड़ियाखेड़ा, गाडरखेड़ी, बेरखेड़ी चौराहा, सुनारी, रातातलाई, ढकना सहित कई गांवों के किसान खाद लेने पहुंचे। खाद लेने आए भवर जी तिजालपुर, रघुवीर मीणा शाहपुर, हरि सिंह कचनारिया व निर्मल यादव कटसारी ने बताया कि पहले की अपेक्षा अब हमें सहकारी संस्था सलामतपुर से आसानी के साथ डीएपी, यूरिया, सुपर, एनपीके 123216, 202013 और गेंहू का प्रमाणित बीज मिल रहा है। वहीं संस्था प्रबंधक कुंवर सिंह दांगी ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्था अंतर्गत 28 गांवों के 1340 किसानों को उनकी लिमिट 4 पर समय और आसानी के साथ 1 एकड़ भूमि पर डेढ़ बोरी डीएपी खाद 1350 रुपए, यूरिया 267 रुपए, सुपर 465 रुपए और गेंहू का 8713, 8756 प्रमाणित बीज 3550 की कीमत पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

सीएम राइज स्कूल में बच्चों का होगा समग्र विकास: विधायक वर्मा

❑सीहोर

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इन्दौर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 2519 करोड़ 12 लाख रूपये की लागत के 69 सीएम राइज स्कूल का वर्चुअली शिलान्यास किया। इसके साथ ही जिलेभर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में राइज स्कूलों का भूमिपूजन किया गया। बिलकिसगंज में सीएम राइज स्कूल का इछावर विधायक श्री करण सिंह वर्मा ने भूमिपूजन किया। कार्यक्रम स्थल पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी देखा गया। इस अवसर पर विधायक श्री वर्मा ने कहा कि सीएम राइज स्कूलों में बच्चों का समग्र विकास होगा। उन्होंने कहा कि सीएम राइज स्कूल शिक्षा जगत में एक अच्छी पहल है। सीएम राइज स्कूलों से सभी वर्ग के छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि सीएम राइज स्कूलों में छात्र-छात्राओं आधुनिक प्रयोगशाला, कम्प्यूटर लेब, स्मार्ट क्लॉस, पुस्तकालय की सुविधा के साथ कला, संगीत, खेल-कूद और व्यवसायिक शिक्षा भी उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष श्रीमती नावड़ी बाई,जनपद सदस्य श्री नरेश मेवाड़ा, सरपंच प्रिया जांगड़े सहित अनेक जनप्रतिनिधि, शिक्षक एवं छात्र-छात्रा उपस्थित थे।

मकान में आग लगने से 2 मवेशियों की जलने से मौत, 3 घायल, 6 लाख का नुकसान

❑ रायसेन

रायसेन के बेगमगंज में एक किसान के मकान में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से 2 मवेशियों की मौत हो गई। वहीं 3 मवेशी घायल हो गए। आग से घर का पूरा सामान भी जल गया। जानकारी के अनुसार, बेगमगंज के करहोला गांव निवासी किसान टीकाराम गौर के मकान में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि घर गृहस्थी का पूरा सामान जलकर खाक हो गया। वहीं मवेशी भी आग की चपेट में आ गए। जिसमें दो मवेशियों की मौके पर ही जलने से मौत हो गई। वहीं 3 मवेशी घायल हो गए। आग की सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल ने आग पर काबू पाया। वहीं, आगजनी की इस घटना में छह लाख का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस और ग्रामीणों द्वारा आग पर काबू पाने के प्रयास किए गए पर आग काबू में नहीं हो पाई।

संपादकीय

बेरोजगारी का आलम और भर्ती के लिए बसों-ट्रेनों में उमड़ती युवा अभ्यर्थियों की भीड़

यदि आपसे भारत की मौजूदा आर्थिक स्थिति पर एक निबंध लिखने के लिए कहा जाए, तो आपके दो शीर्ष विषय क्या होंगे? अधिकांश लोग बेरोजगारी और मुद्रास्फीति को सबसे बड़ी समस्याओं के रूप में प्राथमिकता देंगे। वित्त मंत्रालय मासिक आर्थिक समीक्षा प्रकाशित करता है। मुझे नहीं लगता कि वित्त मंत्रालय ने जिन छह युवा और उत्साही अर्थशास्त्रियों से समीक्षा के लिए ऐसा निबंध लिखने के लिए कहा था, उन्होंने बेरोजगारी के साथ ही कुपोषण, भूख और गरीबी जैसे शब्दों को जानबूझकर छोड़ दिया। (मुझे हैरत होती है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि उनके कान में फुसफुसाकर कहा गया हो कि प्रधानमंत्री उनके आलेख को पढ़ सकते हैं) अर्थशास्त्रियों की टीम जानती है, लेकिन स्वीकार नहीं करेगी कि बेरोजगारी, कुपोषण, भूख और गरीबी जैसे शब्दों का लोप अकादमिक कर्तव्य की घनघोर अवहेलना है। मासिक आर्थिक समीक्षा एक मूल्यवान दस्तावेज है। मैं यह उम्मीद कर रहा था कि 2022 की समीक्षा (22 अक्तूबर, 2022 को जारी हुई) अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति और ताकत तथा कमजोरियों का उद्देश्यपरक अर्द्ध वार्षिकी लेखा-जोखा प्रस्तुत करेगी; इंगित करेगी कि अगले छह से बारह महीनों के दौरान अर्थव्यवस्था की दिशा क्या हो सकती है; उन चुनौतियों की पहचान करेगी, जिनका सामना अर्थव्यवस्था को करना पड़ सकता है; और वैश्विक अर्थव्यवस्था के रुझानों और घरेलू अर्थव्यवस्था पर उनके प्रभाव को दिखाएगी। सितंबर की समीक्षा एक पतला-सा दस्तावेज है- 33 पृष्ठों में ग्राफ, चार्ट और विषयवस्तु हैं और तीन पृष्ठों में आंकड़े हैं। विषयवस्तु छह खंडों में विभाजित है और इसका समापन निष्कर्ष और संभावना के साथ किया गया है। ये खंड सरकार की चिंता को रेखांकित करते हैं = 1. राजकोषीय स्थिति, 2. उद्योग, 3. सेवाएं, 4. कर्ज की मांग, 5. मुद्रास्फीति, 6. बाह्य क्षेत्र। निष्कर्ष यह है कि बेरोजगारी, कुपोषण, भूख और गरीबी सरकार की चिंताओं में शामिल नहीं हैं। रिपोर्ट का स्वर खुद की पीठ थपथपाने जैसा है। इसका आखिरी वाक्य इसके स्वर और दृष्टिकोण को स्पष्ट कर देता है = %बल्लेबाजी करते समय जब गेंद स्विंग हो रही हो, तो गेंदों को छोड़ना (नीतिगत त्रुटियों को नजरंदाज किया गया) जितना अहम होता है, उतना ही अहम गेंदों को खेलना (नीतिगत फैसले) होता है।% लेखक डॉट गेंदें (बाहरी खतरों से अनजान) और विकेट दिलाने वाली गेंदों (रुपये का अवमूल्यन) का जिक्र करना भूल गए। हर निष्कर्ष ऐसे कि पाठक उछल पड़ें। समीक्षा के मुताबिक, राजस्व में उछाल है, पूंजीगत व्यय बढ़ रहा है, व्यय की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और अगस्त तक राजकोषीय स्थिति मजबूत थी। अनमने ढंग से स्वीकार किया गया है कि सरकारी उधारी से सार्वजनिक ऋण में वृद्धि हो सकती है।

सरदार पटेल के परिश्रम का फल और नए सैलानियों के लिए स्वर्ग

पांच वर्ष पहले जब सरदार सरोवर बांध पर विश्व की सबसे ऊंची मूर्ति (अमेरिका की स्टेच्यु ऑफ लिबर्टी से दोगुनी ऊंची) स्थापित करने का निर्णय लिया गया था, इस सोच की तीखी आलोचना चरमोत्कर्ष पर पहुंच गई थी। यह आलोचना उस विरोध से थोड़ी ही कम कटु थी, जो नर्मदा घाटी में सरदार सरोवर बांध बनाए जाते समय मेधा पाटकर और बाबा आमटे जैसे समाजसेवियों ने की थी। सरदार पटेल का कल जन्मदिन है, ऐसे मौके पर इस कटु आलोचना का मूल्यांकन करना उचित होगा। एकता की मूर्ति के पहले एक नजर डालनी चाहिए सरदार सरोवर बांध के इतिहास पर। मध्य प्रदेश से चलकर अरब सागर में विलीन होने वाली नर्मदा नदी पर तीस बड़े, एक सौ पैंतीस मझोले और तीन हजार छोटे बांध बनाकर और नर्मदा सरोवर बांध की ऊंचाई बढ़ाकर महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश में चालीस लाख लोगों को पेयजल, सिंचाई जल और विद्युत् आपूर्ति करने की महती योजना 1961 में बनते ही विवादों में घिर गई। इन्हें सुलझाने के लिए गठित आयोग ने फैसला देने में बरसों लगाए।

देश को जब 1947 में आजादी मिली, तो पांच सौ बासठ छोटी रियासतों से लेकर हैदराबाद, जूनागढ़ और जोधपुर जैसे बड़े देसी राज्य देश की एकता और अखंडता के सामने प्रश्नचिह्न बनकर खड़े थे। इन सैकड़ों रियासतों का सार्वभौम गणतांत्रिक भारत में विलय करने का पूरा श्रेय वल्लभभाई पटेल को मुक्त कंठ से दिया जाता है, लेकिन 2020 में जब उसी लौह पुरुष के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री मोदी के हाथों उनकी एक सौ बयासी मीटर ऊंची भव्य प्रतिमा का अनावरण किया गया, तो असहमति की बहुत-सी आवाजें सुनी गईं।

पांच वर्ष पहले जब सरदार सरोवर बांध पर विश्व की सबसे ऊंची मूर्ति (अमेरिका की स्टेच्यु ऑफ लिबर्टी से दोगुनी ऊंची) स्थापित करने का निर्णय लिया गया था, इस सोच की तीखी आलोचना चरमोत्कर्ष पर पहुंच गई थी। यह आलोचना उस विरोध से थोड़ी ही कम कटु थी, जो नर्मदा घाटी में सरदार सरोवर बांध बनाए जाते समय मेधा पाटकर और बाबा आमटे जैसे समाजसेवियों ने की थी। सरदार पटेल का कल जन्मदिन है, ऐसे मौके पर इस कटु आलोचना का मूल्यांकन करना उचित होगा। एकता की मूर्ति के पहले एक नजर डालनी चाहिए सरदार सरोवर बांध के इतिहास पर। मध्य प्रदेश से चलकर अरब सागर में विलीन होने वाली नर्मदा नदी पर तीस बड़े, एक सौ पैंतीस मझोले और तीन हजार छोटे बांध बनाकर और नर्मदा सरोवर बांध की ऊंचाई बढ़ाकर महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश में चालीस लाख लोगों को पेयजल, सिंचाई जल और विद्युत् आपूर्ति करने की महती योजना 1961 में बनते ही विवादों में घिर गई। इन्हें सुलझाने के लिए गठित आयोग ने फैसला देने में बरसों लगाए। अंततः 1979 में योजना पर काम शुरू हुआ, लेकिन 1985 में मेधा पाटकर ने नर्मदा घाटी परियोजना क्षेत्र का दौरा किया, तो पाया कि जिन लाखों आदिवासियों और जनजातियों की जमीनें इस योजना की बलि चढ़ने वाली थीं, उन्हें उस साल की फसल के अतिरिक्त और कोई नकद मुआवजा नहीं दिया गया था, न ही उनके पुनर्वास की कोई

व्यवस्था की गई थी। जमीन के स्वामित्व के दस्तावेजों की जांच किए बिना और पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव की चिंता किए बिना शुरू कर दी गई इस योजना का मेधा पाटकर ने डटकर विरोध किया। उन्होंने हजारों समर्थकों के साथ छत्तीस दिन का एकता मार्च किया और बाईस दिनों तक भूख हड़ताल की। अंततः कुछ छोटे-मोटे परिवर्तनों के साथ नर्मदा घाटी और सरदार सरोवर बांध योजनाएं पूरी हुईं। आज उन्हें बुरा भला कहा जाता है, लेकिन निष्पक्ष दृष्टि डालने से लगता है कि मेधा पाटकर की आपत्तियों के कारण ही योजना में पर्यावरण और जनजातियों के पुनर्वास से संबंधित कई सुधार किए जा सके। लेकिन नर्मदा बचाओ आंदोलन के आयोजकों की यह धारणा, कि इस योजना से मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों में पेयजल, सिंचाई और विद्युत् आपूर्ति की आशा एक झूठा सपना भर थी, काफी हद तक निर्मूल निकली।

हाल ही में वहां से होकर आने के बाद यह लेखक इस नतीजे पर पहुंचा है कि सरदार सरोवर बांध का निर्माण जितना लाभदायक रहा, प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार द्वारा निर्मित सरदार की मूर्ति की एकता के प्रतीक के रूप में स्थापना भी उतनी ही दूरगामी सोच का नतीजा है। इस निर्माण के पीछे वर्षों की सोच और योजनाबद्ध तैयारी, विश्व की नामी पर्यावरण संस्थाओं से वर्षों चली सलाह और भारत की निर्माण विशेषज्ञ कंपनी लार्सन एंड टूब्रो की व्यावसायिक और वैज्ञानिक क्षमता है। आज सरदार की प्रतिमा के मूल स्थान केवड़िया गांव से लगा हुआ एकतानगर नामक एक नया बसाया गया शहर है, जो आधुनिक सुविधाओं से लैस है। देश ही नहीं, विदेशों से भी बड़ी संख्या में आ रहे सैलानियों को लुभाने वाली 'एकता की प्रतिमा' एकतानगर का अकेला सैलानी आकर्षण नहीं है। प्रतिमा के चारों तरफ फैले चौबीस एकड़ के क्षेत्र में विशाल बायोडाइवर्सिटी पार्क है। बाईस लाख वृक्षों की संपदा से लैस फूलों की घाटी में तीन हजार से भी अधिक तरह के फूल हैं। विश्व स्तर के इस नए सैलानियों के स्वर्ग में पुनर्वासित जनजातियों के सदस्यों को न केवल नकद मुआवजा, बल्कि बिजली पानी से सुसज्जित आवासीय घर और माली, दरबान, फूड कोर्ट में वेटर आदि किस्म की तमाम अकुशल और अर्धकुशल नौकरियां भी मुहैया कराई गई हैं। पारंपरिक हस्तकौशल से बनी वस्तुएं, और पेड़ पौधों के बीज से लेकर, आयुर्वेदिक जड़ी बूटियां और बोनसाई पौधे तक बेचने के लिए पुनर्वासित पुरुषों और महिलाओं को शॉपिंग मॉल में और अन्य दर्शनीय स्थानों पर फुटकर दूकानें दी गई हैं। एकता नगर पहुंचते ही सौ-दो सौ गुलाबी ऑटो रिक्शा दिखते हैं, जिन्हें चलाती हैं पुनर्वासित आदिवासी परिवारों की किशोरियां जो स्थानीय विद्यालयों में मुफ्त शिक्षा प्राप्त करके एक नए युग में प्रवेश कर चुकी हैं।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस सप्ताह के अंतर्गत लाडली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन 02 नवम्बर को

राजगढ़। 01 से 07 नवंबर, 2022 तक प्रदेश में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 02 नवम्बर, 2022 को राजगढ़ जिले में नगर पालिका, नगर पंचायत, और ग्राम पंचायत स्तर पर लाडली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन किया गया है। आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत जिला मुख्यालय

राजगढ़ को लाडली लक्ष्मी वाटिका एवं लाडली लक्ष्मी पथ की सौगात मिलेगी। राजगढ़ शहर के पुराने बस स्टैंड के सराय में स्थित उद्यान को 'लाडली लक्ष्मी वाटिका' चिन्हित किया गया है। जिसका विकास लाडली लक्ष्मी वाटिका के रूप में किया जाएगा। जिसका लोकार्पण 02 नवम्बर, 2022 को प्रातः 10:30 बजे जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जायेगा। इसी क्रम में प्रातः 11:00 बजे राजगढ़ शहर की एक सड़क बिरसा मुंडा चौराहे से पुराना बस स्टैंड को 'लाडली लक्ष्मी पथ' के रूप में चिन्हांकित किया जाकर जनप्रतिनिधियों द्वारा लोकार्पण किया जायेगा। ध्यातव्य है कि प्रदेश में लाडली लक्ष्मी योजना 2.0 योजना लागू की गई है। जिसके अंतर्गत कॉलेज में प्रवेश लेने वाली लाडली लक्ष्मी बालिकाओं को योजना के तहत 25000 की राशि दी जानी है।

हिंदुओं की आस्था के केंद्र सोमनाथ में चुनावों के दौरान कभी नहीं हुआ ध्रुवीकरण

हिंदुओं की आस्था का केंद्र माने जाने वाले सोमनाथ में राजनेताओं का भी खूब जमावड़ा लगता है ताकि देश की बहुसंख्यक आबादी को आकर्षित किया जा सके। सोमनाथ में बड़े राजनीतिक घटनाक्रमों को देखें तो 1995 में राष्ट्रपति रहने के दौरान पंडित शंकर दयाल शर्मा यहां आये थे और पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर को राष्ट्र को समर्पित किया था। इसके अलावा 90 के दशक में भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने अपनी रथ यात्रा भी सोमनाथ से ही शुरू की थी। यही नहीं, नरेंद्र मोदी ने जब गुजरात के मुख्यमंत्री पद की कमान संभाली तो उन्होंने सोमनाथ में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार और मंदिर के सौन्दर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया। इसके बावजूद एक बड़ी सच्चाई यह है कि सोमनाथ में कभी धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण नहीं हो पाया। सोमनाथ का नाम आते ही

भारतीय जनता पार्टी की विजय यात्रा में इसके योगदान की भूमिका ध्यान में आती है। लेकिन एक दिलचस्प तथ्य यह भी है कि इस विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को चुनावी सफलता कम ही मिली है। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 1960 में गुजरात राज्य के गठन के बाद 1962 से 2017 तक हुए सभी 13 विधानसभा चुनावों में सिर्फ दो ही मौके पर भाजपा सोमनाथ विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार जिता पाई है। जबकि कांग्रेस इस सीट को आठ बार जीत चुकी है। गौरतलब है कि यह स्थिति तब है जब भाजपा 1995 से गुजरात की सत्ता पर काबिज है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि तीन मौके ऐसे आए, जब अन्य दलों के उम्मीदवारों ने यहां से जीत हासिल की। साल 1967 के चुनाव में यहां से स्वतंत्र पार्टी ने, आपातकाल के बाद हुए 1980 के विधानसभा चुनाव में जनता पार्टी ने और 1990 के चुनाव में जनता दल के उम्मीदवार ने यहां से जीत दर्ज की।

चुनावी मौसम लोकसभा का हो या विधानसभा का, कोई भी नेता सोमनाथ मंदिर में पूजा अर्चना का मौका नहीं छोड़ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पिछले लगभग सभी चुनावों में सोमनाथ जरूर जाते रहे हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी पिछले विधानसभा चुनाव में सोमनाथ की यात्रा की थी। उस वक्त उनके धर्म को लेकर विवाद हो गया था, जब उन्होंने कथित तौर पर गैर-हिंदुओं के रजिस्टर में हस्ताक्षर किए थे। हाल ही में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी सोमनाथ में चुनाव प्रचार किया था। सोमनाथ सीट के इस मिजाज के बारे में देखें तो यह स्पष्ट है कि सोमनाथ हिन्दुओं की आस्था का एक बड़ा केंद्र है लेकिन यहां ध्रुवीकरण का कोई इतिहास नहीं रहा है।

हिमालयी चार धामों की सुन्दरता से अधिक यहां की स्थिरता जरूरी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नवीनतम बदरी-केदार यात्रा के बाद देश का ध्यान हिमालय के चार धामों की ओर पुनः आकर्षित होना स्वाभाविक ही है। इन पवित्र स्थलों का महत्व बढ़ाने के लिए, साल 2013 की हिमालयी सुनामी से तबाह हुए केदारनाथ धाम के पुनर्निमाण के साथ ही बदरीनाथ के कायापलट का काम भी चल रहा है। बदरी-केदार के साथ गंगोत्री और यमुनोत्री को भी रेल लिंक से जोड़ने के लिए सर्वेक्षण कार्य चल रहा है। सुन्दरता तो सभी को आकर्षित करती है लेकिन असली सवाल इन पवित्र स्थलों की सुरक्षा का है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2014 से लेकर अब तक 6 बार केदारनाथ की यात्रा कर चुके हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव की मतगणना से 5 दिन पहले मोदी केदारपुरी पहुंच गए थे जहां उन्होंने 17 घंटों तक रुद्र गुफा में भगवान शिव की अराधना की और भगवा वस्त्र धारण कर ध्यान लगाया। इसके बाद वह दोबारा देश के प्रधानमंत्री बने थे। सन् 2013 की आपदा में तबाह हुए केदारनाथ के पुनर्निमाण और बदरीनाथ धाम की कायापलट में प्रधानमंत्री की विशेष रुचि जगजाहिर है। वह

समय-समय पर इन कार्यों की समीक्षा विभिन्न माध्यमों से स्वयं करते रहते हैं। लेकिन हिमालय पर एक के बाद एक जिस तरह विप्लव हो रहे हैं उनके आलोक में पवित्रस्थलों की स्थिरता का विषय सुन्दरता से अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। केदारनाथ क्षेत्र में गत 22 सितम्बर से लेकर 2 अक्तूबर तक 3 बड़े एवलांच आने के बाद उत्तराखण्ड सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति ने केदारनाथ मंदिर को एवलांच से तो सुरक्षित पाया मगर साथ ही समिति ने सरकार को अवगत कराया कि केदारनाथ धाम चोराबाड़ी और निकटवर्ती ग्लेशियों से आए मोरेन या मलबे के आउटवाश प्लेन पर स्थित है जिस पर भारी निर्माण खतरनाक साबित हो सकता है।

मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में कृषि मेला आयोजित किया जाएगा, यह मेला तीन दिवसीय होगा

चंबल में आयोजित होगा कृषि मेला, खेती से संबंधित नई टेक्नोलॉजी के बारे में दी जाएगी जानकारी

❑ मुरैना

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर मुरैना जिले में पहुंचे। यहां उन्होंने नवंबर के महीने में 11, 12 और 13 तारीख को होने वाले कृषि मेले की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मीडिया से बातचीत करने के दौरान कहा, भारत सरकार और राज्य सरकार से मिलकर कृषि मेला का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस कृषि मेले में प्रदेश और देश से विभिन्न प्रकार के स्टार्टअप आएंगे। इसके साथ ही इस मेले में खेती में नई टेक्नोलॉजी की झलक दिखाई जाएगी। वहीं, इस विलय के माध्यम से अंचल के किसानों को नई टेक्नोलॉजी और उन्नत खेती के बारे में बताया जाएगा। यह ग्वालियर-चंबल अंचल की किसानों के लिए एक ऐतिहासिक मेले के रूप में होगा और ऐसे अंचल के किसानों को काफी लाभ प्राप्त होगा। इसके साथ ही केंद्रीय कृषि मंत्री ने राहुल गांधी की यात्रा पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के हमेशा देश को तोड़ने की बात कही है और अब अगर वह जोड़ने की बात कर रही है तो यह हास्यपद है। इसके साथ ही देश में पांच राज्यों में होने वाले चुनाव को लेकर केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा, पांच राज्यों में होने वाले चुनावों को लेकर बीजेपी पूरी ताकत से जुटी है और उम्मीद है कि हम इन चुनावों में भारी बहुमत से जीत कर आएंगे।

सात दिन मनेगा जश्न, भिंड जिले में कार्यक्रमों के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय

भिंड। भिंड जिले में 1 नवंबर को सुबह कार्यक्रम 8 बजे से प्रारम्भ होंगे। पहले कार्यक्रम के लिए जिला शिक्षा अधिकारी और जन अभियान परिषद को जन अभियान परिषद के माध्यम से प्रभात फेरियो का दायित्व सौंपा गया है। वहीं, शाम को आयोजित होने वाले कार्यक्रम छह बजे से शुरू होंगे, जिनके लिए एसडीएम भिंड, सीएसपी भिंड, जिला शिक्षा अधिकारी और भिंड नगर पालिका सीएमओ को निराला रंग बिहार में सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन के लिए कानून व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, चयनित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन और कार्यक्रम स्थल की पूरी व्यवस्था का दायित्व सौंपा गया है। बता दें कि अगले दिन 2 नवंबर को लाड़ली लक्ष्मी योजना के कार्यक्रम पूरे जिले में आयोजित होंगे, जिनके सफल आयोजन की व्यवस्था की जिम्मेदारी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को सौंपी गई है। वहीं, 3 नवंबर के लिए सीईओ जिला पंचायत, सभी जनपद पंचायत सीएमओ, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण और जिले के सभी नगर पालिका- नगर पंचायत सीएमओ के साथ खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जिला खेल अधिकारी को स्वच्छता, सजावट, रंगोली केन्द्रित गतिविधियां, ऐतिहासिक स्मारकों, महापुरूषों की प्रतिमाओं और बाजारों की साफ-सफाई आदि की गतिविधियों की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा महत्वपूर्ण स्थलों पर 67 दीपों का प्रज्जवलन के साथ 3 नवंबर से 6 नवंबर तक खेलकूद गतिविधियों का आयोजन और 7 नवंबर को पुरस्कार वितरण के साथ स्थानीय व्यंजनों की प्रतियोगिताओं का आरंभ करने की भी जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं, 4 नवंबर को रोजगार दिवस के आयोजन के साथ-साथ जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी और उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक को एक जिला एक उत्पाद को प्रमुखता प्रदान करते हुए गतिविधियां का दायित्व भी सौंपा गया है। वहीं 5 नवंबर को मध्यप्रदेश के गौरव के दृष्टिगत नाटक, लोकनृत्य, जननायक केन्द्रित प्रतियोगिताएं आयोजित कराने के लिए एमजेएस कॉलेज के प्राचार्य (नोडल) और जिला शिक्षा अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है। 6 नवंबर को वन प्राणी सुरक्षा/जागरूकता, उर्जा पर्यावरण जल संरक्षण केन्द्रित जागरूकता, सेमीनार, व्याख्यान, चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन होगा, जिसके लिए वन मण्डलाधिकारी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सीईओ और अक्षय उर्जा अधिकारी एसके बादल की जिम्मेदारी तय की गई है।

गर्भवती को अस्पताल ले जा रही एंबुलेंस का बीच रास्ते में डीजल खत्म

❑ पन्ना

मध्यप्रदेश सरकार हर साल स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त रखने के लिए लाखों रुपये के बजट की घोषणा करती है, लेकिन स्वास्थ्य सेवाएं किस हद तक खराब हैं, इसकी तस्वीरें रोज प्रदेश के किसी न किसी जिले में नजर आ ही जाती हैं। हाल ही में पन्ना जिले में भी बदहाल स्वास्थ्य सेवा का एक नजारा देखने को मिला, जहां एक गर्भवती महिला का टॉर्च की रोशनी में प्रसव कराया गया। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को पन्ना जिले के शाहनगर क्षेत्र के बनौली में एक गर्भवती महिला को प्रसव वेदना होने पर उसके परिजनों ने एंबुलेंस को बुलाया था, एंबुलेंस गर्भवती को लेकर अस्पताल के लिए रवाना हुई तो रास्ते में वाहन का डीजल खत्म हो गया। मजबूरी में परिवार को गर्भवती महिला की बीच रास्ते में ही टॉर्च की रोशनी में डिलीवरी करानी पड़ी। दरअसल बनौली गांव निवासी रेश्मा को प्रसव पीड़ा होने पर परिजनों ने 108 एंबुलेंस को फोन कर बुलाया था।

इंदौर-उज्जैन रोड बनेगी आठ लेन, सिंहस्थ से पहले चौड़ीकरण की तैयारी

❑ इंदौर

350 करोड़ रुपये खर्च कर महाकाल लोक बनने के बाद अब सरकार उज्जैन की कनेक्टिविटी की तरफ ध्यान देने लगी है। पीडब्ल्यूडी इंदौर-उज्जैन रोड को आठ लेन बनाने की योजना बना रहा है। इस प्रोजेक्ट के लिए लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव ने अफसरों से चर्चा की है। यदि यह सड़क चौड़ी होती है तो इंदौर से उज्जैन जाने का समय और कम हो जाएगा। अभी यहां फोरलेन है और एक भी फ्लाईओवर नहीं है। लवकुश चौराहे पर एक फ्लाईओवर बनाने के लिए भी लोक निर्माण विभाग जल्द सर्वे शुरू करेगा। इंदौर से उज्जैन के बीच की दूरी 55 किलोमीटर है और करीब एक घंटे का समय लगता है। इंदौर से धरमपुरी तक कई टाउनशिप, कॉलेज और बड़े स्कूल भी खुल गए हैं। इस वजह से दोपहिया और चार पहिया वाहनों का ट्रैफिक इस रुट पर बढ़ गया है, जबकि 100 से ज्यादा यात्री वाहनों के फेर इंदौर से उज्जैन के बीच लगते हैं। राजस्थान की तरफ जाने वाले वाहन भी इंदौर-उज्जैन रोड से नागदा होकर राजस्थान की तरफ जाते हैं।

चोर ने मंदिर से चुराए छत्र को माफीनामे के साथ लौटाया, कहा- चोरी के बाद टूटा दुखों का पहाड़

बालाघाट। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में एक दिलचस्प वाकया सामने आया है। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में एक चोर ने किसी मंदिर से चुराए गए चांदी और पीतल के सामान को माफी पत्र के साथ लौटा दिया। पुलिस ने रविवार को बताया कि चोर ने अपने माफीनामे में कहा है कि चोरी के बाद उसे बहुत नुकसान हुआ और काफी पीड़ा हुई। पुलिस ने चोरी का सामान जब्त कर लिया है। चोर की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डाबर ने बताया कि अज्ञात चोर ने 24 अक्टूबर को लमता थाना क्षेत्र के शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से छत्र समेत चांदी के 10 सजावटी टुकड़े और पीतल के तीन सामान चुरा लिए थे। मंदिर में चोरी की वारदात के बाद पुलिस शिद्दत से चोर की तलाश कर रही थी। इसी बीच चोरी का सामान बरामद कर लिया गया। विजय डाबर ने बताया कि शुक्रवार को जैन परिवार के सदस्यों ने लमटा में पंचायत कार्यालय के पास गड्ढे में एक बैग पड़ा देखा, जिसके बाद उन्होंने पुलिस और समुदाय के अन्य लोगों को सूचित किया।

खरगोन टैंकर ब्लास्ट में अब तक 9 की मौत इंदौर में एक-एक कर 7 और लोगों ने तोड़ा दम

❑ टीकमगढ़

खरगोन जिले के अंजन गांव के पास हुई टैंकर दुर्घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर अब 9 हो गई है। शनिवार को उपचार के दौरान एमवाय अस्पताल में 7 मरीजों ने एक-एक कर दम तोड़ दिया। परिवार के लोगों के मुताबिक सुबह अनिल पिता नत्थू की मौत हो गई थी। बेटे के बाद पिता नत्थू (40) ने भी दम तोड़ दिया। मौत का सिलसिला यहीं नहीं रूका। हीरालाल पिता सरदार (25), मनु पिता भावसिंह (20) और कन्हैया पिता शेर सिंह की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। इससे पहले रंगू उर्फ गुड़िया मौके पर ही जलकर कंकाल में तब्दील हो गई थी। इसके बाद दूसरी मौत उसकी ममेरी बहन नीरा की उपचार के दौरान हुई थी। मरने वालों में कन्हैया को छोड़कर आपस में

सभी रिश्तेदार हैं। उल्लेखनीय है कि बुधवार सुबह गांव के पास डीजल-पेट्रोल से भरा एक टैंकर पलट गया था। टैंकर पलटते ही ग्रामीण वहां पहुंच गए थे और ईंधन भर-भर कर ले जाने लगे थे। तभी टैंकर में धमाके के साथ आग लग गई थी।घटना में मौके पर मौजूद ग्रामीण चपेट में आ गए थे।

पंजाब किंग्स ने मयंक अग्रवाल को कप्तानी से हटाया, शिखर धवन के हाथ में होगी टीम की कमान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पंजाब किंग्स की टीम ने आईपीएल 2023 से पहले बड़ा बदलाव किया है। मयंक अग्रवाल की जगह शिखर धवन को टीम का कप्तान बनाया गया है। धवन आईपीएल 2023 में टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे। आईपीएल 2022 में पंजाब की टीम का प्रदर्शन बहुत ही निराशाजनक रहा था। कई मौकों पर टीम करीबी अंतर से हारी थी और कप्तान मयंक बल्ले के साथ भी कुछ खास नहीं कर पाए थे। इसके बाद उन्हें कप्तानी से हटा दिया गया है।

बुधवार को फ्रेंचाइजी बोर्ड की मीटिंग में यह फैसला लिया गया। 31 साल के मयंक की कप्तानी में पंजाब की टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पाई थी। इसके बाद मयंक को कप्तानी से हटाए जाने के कयास लगाए जा रहे थे। अब इन पर आधिकारिक मुहर लग गई है। आईपीएल 2022 में मेगा ऑक्शन से पहले पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम के साथ जुड़ने का फैसला किया था। इसके बाद साल 2022 में मयंक अग्रवाल को टीम का कप्तान बनाया गया था। हालांकि, बतौर कप्तान मयंक अग्रवाल पूरी तरह फेल रहे। उन्होंने कप्तान के रूप में कोई छाप नहीं छोड़ी और 16.33 की औसत से 196 रन बनाए। पिछले साल भी धवन को कप्तान बनाने के

बारे में सोचा गया था, लेकिन फ्रेंचाइजी ने अग्रवाल को मौका देने का फैसला किया था।

आईपीएल के एक सूत्र के अनुसार बोर्ड ने धवन को कप्तान बनाने का फैसला किया है। उनके पास आईपीएल में खिलाने और कप्तानी करने दोनों का अनुभव है। पिछले साल पंजाब के लिए अपने पहले सीजन में भी धवन ने अच्छा प्रदर्शन किया था। पंजाब ने इस साल की शुरुआत में मेगा ऑक्शन में धवन को 8.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। 36 साल के धवन ने 14 मैचों में 38.33 के औसत और 122.66 के स्ट्राइक रेट से 460 रन बनाए थे। मयंक अग्रवाल को कप्तानी से हटाने के बावजूद फ्रेंचाइजी उन्हें एक बल्लेबाज के रूप में अपने साथ जोड़े रखना चाहती है या नहीं इस बारे में जल्द फैसला किया जाएगा। सभी फ्रेंचाइजी के पास खिलाड़ियों को रीटेन करने के लिए 15 नवंबर तक का समय है। धवन आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन वह भारत के लिए सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेल रहे हैं। हाल ही में धवन को वनडे में भारत की बी टीम का कप्तान बनाया गया था। वह इसी महीने के अंत में न्यूजीलैंड में टीम का नेतृत्व करेंगे। आईपीएल में धवन ने सनराइजर्स हैदराबाद की टीम की कप्तानी भी की है। आईपीएल 2023 से पहले पंजाब की टीम अपना मुख्य कोच भी बदल चुकी है। अनिल कुंबले की जगह ट्रेवर बेलिस को टीम का कोच बनाया गया है। उनके कोच रहते इंग्लैंड की टीम ने 2019 वनडे विश्व कप जीता था। 2012 और 2014 में कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल चैंपियन बनाने में भी ट्रेवर बेलिस का योगदान है। बेलिस के साथ ऑस्ट्रेलिया के ब्रेड हैडिन भी पंजाब के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होंगे। टीम के मालिकों को नए कोच और कप्तान से काफी उम्मीदें हैं, क्योंकि फ्रेंचाइजी अपने पहले खिताब की तलाश में है। पंजाब की टीम आखिरी बार साल 2014 में प्लेऑफ में पहुंची थी। इसके बाद पिछले चार सीजन से यह टीम छठे स्थान पर रही है।

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए विराट कोहली को पहली बार मिली जगह

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अक्टूबर महीने के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नामित किया गया है। इस लिस्ट में सिकंदर रजा और डेविड मिलर का नाम भी शामिल है। भारत, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के एक-एक खिलाड़ी को अक्टूबर 2022 के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। वहीं भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का नाम पहली बार प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नामित किया गया है। विराट कोहली ने पिछले महीने सिर्फ चार पारियां खेली। लेकिन इस दौरान उन्होंने तीन यादगार पारियां खेली, उसमें से एक पाकिस्तान के खिलाफ 82 रनों की नाबाद पारी भी है। विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई अपनी इस पारी को सर्वश्रेष्ठ पारी बताया है। भारतीय टीम 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मैच में 31 के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। लेकिन कोहली ने पारी को संभालते हुए 53 गेंदों में 82 रन की अविश्वसनीय पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई।

गौतम गंभीर ने एक बार फिर की कोहली की आलोचना, कहा- बल्लेबाज अंपायर को फैसले के लिए नहीं कह सकता

नई दिल्ली। भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप के सुपर-12 में चार में से तीन मैच जीत चुकी है। उसने बुधवार (दो नवंबर) को एडिलेड में बांग्लादेश को बारिश से प्रभावित मैच में डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर पांच रन से हरा दिया। इस मुकाबले में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 44 गेंद पर नाबाद 64 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। कोहली के इस प्रदर्शन के बावजूद पूर्व ओपनर गौतम गंभीर ने एक मामले को लेकर उनकी आलोचना की है। इस मैच के दौरान कोहली ने नो-बॉल को लेकर अंपायर से शिकायत की थी। उस घटना का जिक्र करते हुए गंभीर ने विराट पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, एक बल्लेबाज को अंपायर को नो बॉल के लिए नहीं बोलना चाहिए। उसे सिर्फ बल्ले से खेलने पर ध्यान देना चाहिए।÷ गंभीर ने जिस घटना का जिक्र किया है वह भारतीय पारी के समय घटी थी। 16वें ओवर में विराट कोहली बल्लेबाजी कर रहे थे। गेंदबाजी लाइन पर हसन महमूद थे।

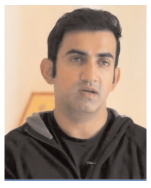

विराट कोहली और रोनाल्डो ने रातों-रात गंवाए लाखों फॉलोअस

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सोशल मीडिया एप इंस्टाग्राम में तकनीकि खराबी का नुकसान क्रिस्टियानो रोनाल्डो और विराट कोहली जैसे बड़े खिलाड़ियों को हुआ है। इन दोनों दिग्गजों ने 31 अक्तूबर को इंस्टाग्राम पर अपने लाखों फॉलोअर्स गंवा दिए। इस दिन इंस्टाग्राम में तकनीकि खराबी थी और कई लोग अपना अकाउंट नहीं देख पा रहे थे। लोगों को पोस्ट और मैसेज देखने में भी परेशानी हुई। इसी दौरान विराट कोहली और रोनाल्डो ने अपने फॉलोअर्स गंवा दिए। हालांकि, अब यह समस्या ठीक हो चुकी है, लेकिन कोहली और रोनाल्डो को उनके फॉलोअर्स वापस नहीं मिले हैं। कई इंस्टाग्राम यूजर्स अपने अकाउंट नहीं देख पा रहे थे। उन्हें बताया जा रहा था कि उनका अकाउंट 31 अक्तूबर को निलंबित कर दिया गया। इसके अलावा कई एप्पल यूजर्स ने बताया कि 30 सेकेंड के उपयोग के बाद उनका एप क्रैश हो

गया। इसके अलावा अधिकतर लोगों के फॉलोअर्स की संख्या में बड़ी कमी आई। इस बीच फुटबॉल फैंस ने देखा कि स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के फॉलोअर्स काफी कम हो गए हैं। रोनाल्डो इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले व्यक्ति हैं। इंस्टाग्राम में आई तकनीकि खराबी के कारण रोनाल्डो को लगभग 30 लाख फॉलोअर्स का नुकसान हुआ है। इंस्टाग्राम पर उन्हें 49.3 करोड़ लोग फॉलो करते हैं, लेकिन इंस्टाग्राम पर तकनीकि खराबी के कारण उन्हें बड़ा नुकसान हुआ है। रोनाल्डो के अलावा विराट कोहली के भी फॉलोअर्स की संख्या में बड़ी कमी आई है। विराट को फिलहाल 22.1 करोड़ लोग फॉलो करते हैं, वह इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले भारतीय व्यक्ति हैं। इंस्टाग्राम ने ट्वीट कर बताया कि तकनीकि समस्या का समाधान कर दिया गया है। इंस्टाग्राम की तरफ से लिखा गया हमने इस समस्या का समाधान निकाल लिया है। इसकी वजह से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में लोगों को अपने अकाउंट देखने में समस्या आई और कई लोगों को अपने कुछ फॉलोअर्स भी गंवाने पड़े। हम इसके लिए माफी मांगते हैं। इंस्टाग्राम के प्रमुख एडम मोसेरी ने भी ट्विटर पर माफी मांगी। इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा की तरफ से अब तक यह नहीं बताया गया है कि यह तकनीकि खराबी क्यों आई थी। इस महीने यह दूसरा मौका था, जब मेटा की किसी कंपनी को बड़ी तकनीकि समस्या का सामना करना पड़ा है। कुछ पहले ही व्हॉट्सएप में तकनीकि खराबी आई थी और लोगों को मैसेज भेजने या देखने में परेशानी हो रही थी।

विराट कोहली पर फेक फीलि्डंग का आरोप लगाने वाले नुरुल हसन को मिल सकती है आईसीसी से सजा

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज नुरुल हसन ने भारत के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली पर फेक फीलि्डंग का आरोप लगाया है, जिस मैदानी अंपायरों ने नहीं देखा और उनकी टीम को टी20 वर्ल्ड कप के अहम मुकाबले में पांच संभावित पेनल्टी रनों से महरूम रहना पड़ा। अब इन सबके बीच एक नया ट्विस्ट आ गया है कि नुरुल को इस मामले में आईसीसी से सजा मिल सकती है। बारिश के कारण जीत के लिए 16 ओवर में 151 रन के संशोधित लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश टीम पांच रन से हार गई। कप्तान शाकिब अल हसन ने हार को स्वीकार किया लेकिन आखिरी ओवर में अर्शदीप सिंह को एक छक्का और एक चौका जड़कर बांग्लादेश को मैच में बनाए रखने वाले नुरुल ने मैदानी अंपायरों की आलोचना की। उन्होंने मिक्स्ड जोन में बंगाली में कहा, आउटफील्ड गीली होने से काफी फर्क पड़ा। एक फर्जी थ्रो भी था जिससे हमें पांच रन मिलने चाहिए थे लेकिन मिले नहीं। नुरुल सातवें ओवर की घटना का जिक्र कर रहे थे। वीडियो रिकॉर्डिंग में दिखाया गया कि अर्शदीप ने डीप से गेंद फेंकी और नुरुल का कहना है कि प्वॉइंट पर खड़े कोहली ने उसे पकड़कर रिले थ्रो से दूसरे छोर पर फेंकने का एक्शन किया। दोनों बल्लेबाजों लिटन दास और नजमुल हुसैन शांतो ने कोहली की तरफ देखा भी नहीं जिससे नुरुल के इस तर्क पर सवाल उठते हैं।

पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को 33 रन से हराया, टूर्नामेंट में अफ्रीकी टीम की पहली हार

सिडनी। टी20 वर्ल्ड कप के 36वें मुकाबले में पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को 33 रन से हरा दिया है। सिडनी में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका के सामने 186 रन का लक्ष्य रखा था। हालांकि, बारिश की वजह से दक्षिण अफ्रीका के सामने 14 ओवर में 142 रन का लक्ष्य रखा गया। हालांकि, अफ्रीकी टीम 14 ओवर में नौ विकेट खोकर 108 रन ही बना पाई और यह मैच 33 रन से हार गई। इस टूर्नामेंट में यह दक्षिण अफ्रीका की पहली हार है। पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को 33 रन से हरा दिया है। बारिश के कारण दक्षिण अफ्रीका के सामने 14 ओवर में 142 रन का लक्ष्य रखा गया था। बारिश के बाद जब मैच शुरू हुआ तो दक्षिण अफ्रीका को पांच ओवर में 73 रन की जरूरत थी। यहीं से पाकिस्तान की जीत तय नजर आ रही थी। दक्षिण अफ्रीका ने शुरुआती नौ ओवर में चार विकेट खोकर 69 रन बना लिए थे। इसके बाद पांच ओवर में अफ्रीकी टीम ने पांच विकेट खो दिए और कुल 39 रन बना पाई। इस टूर्नामेंट में यह दक्षिण अफ्रीका की पहली हार है। अब तक

दक्षिण अफ्रीका एकमात्र टीम थी, जो इस टूर्नामेंट में कोई मैच नहीं हारी थी। अब अफ्रीका भी हार चुकी है। इस टूर्नामेंट में शामिल होने वाली सभी टीमें कोई न कोई मैच हार चुकी है। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 185 रन का बड़ा स्कोर बनाया था। पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब थी और 43 रन के स्कोर पर टीम के चार विकेट गिर गए थे। इसके बाद मोहम्मद नवाज और इफ्तिखार अहमद ने पाकिस्तान की पारी को संभाला। बाद में शादाब खान ने इफ्तिखार के साथ बेहतरीन साझेदारी कर पाकिस्तान का स्कोर 185 रन तक पहुंचा दिया। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल की रेस में बनी हुई है। हालांकि, पाकिस्तान उम्मीद करेगा की भारत या दक्षिण अफ्रीका अपना आखिरी मैच हार जाएं। तभी पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल में जगह बना पाएगी।

अगले साल चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए नहीं खेलेंगे रवींद्र जडेजा?

एक तरफ ऑस्ट्रेलिया में टी20 वर्ल्ड कप का रोमांच अपने चरम पर है तो दूसरी ओर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सीजन की तैयारियां भी रफ्तार पकड़ चुकी हैं। बीसीसीआई ने सभी फ्रेंचाइजियों को नीलामी से पहले रिटेन खिलाड़ियों की सूची 15 नवंबर तक सौंपने के लिए कहा है। नीलामी 16 दिसंबर को हो सकती है। उससे पहले कई टीमों के बीच ट्रेडिंग को लेकर बात शुरू हो चुकी है।

वित्त मंत्री कोयला खदानों की वाणिज्यिक नीलामी का छठा दौर बृहस्पतिवार को शुरू करेंगी

अनिश्चितता के बीच निवेशकों के लिए आकर्षक है घरेलू अर्थव्यवस्था, 7 प्रतिशत रहेगी विकास दर

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

भले ही दुनिया आर्थिक अनिश्चितता से जूझ रही है, पर भारतीय अर्थव्यवस्था के मूल तत्व मजबूत हैं। घरेलू अर्थव्यवस्था स्पष्ट रूप से निवेशकों के लिए आकर्षक बनी हुई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि युद्ध की एक वैश्विक स्थिति है, खासकर उन देशों में जो कच्चे माल के स्रोत हैं। चाहे वह ईंधन, खाद या खाद्य संबंधित कच्चे माल हों।

इससे दुनिया में बहुत असुरक्षा पैदा हो रही है और चुनौतियां जारी हैं। इस अनिश्चित माहौल के बीच दुनिया भारत को निश्चित स्तर के एक शांत द्वीप के रूप में देख रही है।कर्नाटक में निवेश सम्मेलन में उन्होंने कच्चे माल के आयात आदि को प्रभावित करने वाली वैश्विक राजनीतिक स्थिति के बारे में कहा कि

विभिन्न देश अब दुनिया के विभिन्न हिस्सों से इन सामग्रियों के स्रोत के लिए खुद को समायोजित कर रहे हैं। हालांकि, इसका न केवल उद्योगों पर बल्कि दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं और वैश्विक व्यापार की वृद्धि पर भी असर पड़ा है। लेकिन, भारतीय अर्थव्यवस्था पर मजबूत आर्थिक बुनियाद और बेहतर नीतियों की वजह से अनिश्चितताओं और बाहरी चुनौतियों का ज्यादा असर नहीं पड़ा है। सीतारमण ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह सुनिश्चित किया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को बाहरी तत्वों से गंभीर रूप से खतरा नहीं होगा। सरकार ने उन उद्योगों को बहुत समर्थन दिया, जिनकी उन्हें आवश्यकता थी। यह भी सुनिश्चित किया गया कि इन चुनौतियों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था को सावधानीपूर्वक संभाला गया।?

वित्त मंत्री कोयला खदानों की वाणिज्यिक नीलामी का छठा दौर बृहस्पतिवार को शुरू करेंगी। इस दौर की नीलामी की शुरुआत के लिए राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले कार्यक्रम में वह मुख्य अतिथि होंगी। कोयला मंत्रालय ने कहा, खदानों का विवरण, नीलामी की शर्तें, समयसीमा आदि की जानकारी एमएसटीसी के नीलामी मंच पर देखी जा सकती हैं। नीलामी दो चरण की पारदर्शी प्रक्रिया के जरिये ऑनलाइन तरीके से होगी।?अब तक 64 खदानों की वाणिज्यिक नीलामी की है।

थोक ई-रुपये के पायलट परीक्षण के बाद आरबीआई इसी माह खुदरा ई-रुपये का परीक्षण शुरू करेगा।?तारीख की घोषणा अलग से होगी।?केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को कहा, केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) की शुरुआत देश में मुद्राओं के इतिहास में ऐतिहासिक क्षण है। ई-रूपी से कारोबार करने का तरीका काफी हद तक बदल जाएगा।

संस्थानों से 67228 करोड़ का बकाया नहीं वसूल सका सेबी, 70 फीसदी बकाया राशि फंसी

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी संस्थानों से 67,228 करोड़ रुपये का बकाया नहीं वसूल सका। इसलिए, इस रकम को अब अलग कर दिया गया है। 2021-22 की सालाना रिपोर्ट में नियामक ने कहा, 96,609 करोड़ का बकाया उन संस्थाओं से वसूले जाने की जरूरत है, जिन्होंने जुर्माने का भुगतान नहीं किया है। बाजार निगरानी के कारण जुर्माने का भुगतान करने में ये संस्थान विफल रहे और निवेशकों के पैसे वापस करने के निर्देशों का पालन नहीं किया।

वसूली में आ रही मुश्किल पर भारतीय प्रतिभूति एवं विनियामक बोर्ड (सेबी) ने अपनी सालाना रिपोर्ट में कहा, सभी तरीके अपनाने के बावजूद बकाया वसूली नहीं की जा सकी। साथ ही, उसने स्पष्ट किया कि इस तरह के बकाये को अलग करना एक प्रशासनिक अधिनियम है। आगे अगर किसी पैमाने में कोई बदलाव किया जाता है तो वह अधिकारियों को इन संस्थानों से इस रकम की वसूली से नहीं रोकेगा। 96,609 करोड़ रुपये में 63,206 करोड़ यानी 65 फीसदी बकाया सामूहिक निवेश योजना (सीआईएस) से जुड़ा है। यह रकम पीएसीएल लि. व सहारा समूह की कंपनी सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड के सार्वजनिक निर्गमों से संबंधित है। साथ ही, कुल बकाये का 70त्न यानी 68,109 करोड़ विभिन्न अदालतों और नियुक्त समितियों के समक्ष समानांतर कार्यवाही के अधीन है।

पूंजी बाजार नियामक ने अपनी रिपोर्ट में कहा, 2021-22 में जांच के लिए प्रतिभूति कानून के उल्लंघन से जुड़े नए मामलों की संख्या 59 थी। यह आंकड़ा 2020-21 के 94 मामलों से काफी कम है। कुल 59 में से 38 मामले बाजार और कीमतों में हेराफेरी से संबंधित थे। भेदिया कारोबार (इनसाइडर ट्रेडिंग) के 17 और बाकी चार मामले प्रतिभूति कानून के उल्लंघन से जुड़े थे। पिछले वित्त वर्ष के दौरान कुल 169 मामलों की जांच पूरी की गई। 2019-20 में 94 नए मामले मिले थे और कुल 140 मामलों की जांच पूरी की गई।

जांच का उद्देश्य सबूत जुटाने के साथ अनियमितताओं और नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों व संस्थाओं की पहचान करना है ताकि उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। जांच के दौरान बैंक खाते एवं केवाईसी विवरण, संस्थान के बारे में जानकारी, कॉल डाटा रिकॉर्ड व बाजार मध्यस्थों से प्राप्त जानकारी का भी विश्लेषण किया गया।

अक्तूबर महीने में सेवा क्षेत्र हुआ मजबूत, मांग बढ़ने और नई नौकरियों का मिला सहारा

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

भारत के सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में अक्टूबर महीने के दौरान मजबूत बढ़त दिखी है। बाजार में यह बढ़ोतरी मांग और नियुक्तियों में बढ़ोतरी के कारण देखी गई। एक मासिक सर्वेक्षण में गुरुवार को यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स सितंबर के छह महीने के निचले स्तर 54.3 से बढ़कर अक्टूबर में 55.1 के लेवल पर आ गई है, जो सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी और वृद्धि को दर्शाता है। बता दें कि लगातार पंद्रहवें महीने में यह आंकड़ा न्यूट्रल 50 के लेवल से ऊपर था। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर के स्कोर का मतलब विस्तार होता है जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है।

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन हरे निशान पर बाजार, सेंसेक्स 100 अंक चढ़ा, निफ्टी 18100 पर

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार में हरे निशान पर कारोबार शुरू हुआ। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स सौ अंकों तक चढ़ता नजर आया, निफ्टी भी 18100 पार पहुंच गया। हालांकि उसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई और यह नीचे लुढ़क गया। शुक्रवार की सुबह नौ बजकर 24 मिनट पर सेंसेंक्स 23.10 अंकों (0.04त्न) की गिरावट के साथ 60,822.21 अंकों पर कारोबार कर रहा है। वहीं, निफ्टी 2.50 अंक (0.01त्न) फिसलकर 18,050 अंकों पर कारोबार कर रहा है। स्त्रङ्ग ह्द्बद्ध्र4 में फिलहाल 22 अंकों (0.12 फीसदी) की मामूली गिरावट के साथ कारोबार हो रहा है। फेडरल रिजर्व के इंटरेस्ट बढ़ाने के फैसले का अमेरिकी बाजार पर असर है। डाओ जोन्स में आधे फीसदी, नैस्डेक में 1.73 फीसदी और एसएंडपी 500 में एक फीसदी से अधिक की गिरावट है।

86 फीसदी लोग दुकानों से खरीदते हैं किराना सामान

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

बढ़ते ऑनलाइन और ई-कॉमर्स के बावजूद देश में 86 फीसदी लोग स्थानीय किराना दुकानों से सामान खरीदना पसंद कर रहे हैं। केवल दो फीसदी लोग ऑनलाइन का सहारा लेते हैं। ऑनलाइन ऐप्स में 17 फीसदी उपभोक्ता किराने की खरीदारी के लिए अमेजन का जबकि 15 फीसदी फ्लिपकार्ट का उपयोग करते हैं। 8 फीसदी लोग जियो मार्ट से खरीदारी करते हैं। एक्सिस माई इंडिया ने 10,207 लोगों के साथ सर्वे किया। इसमें 70 फीसदी लोग गांवों से और 30 फीसदी शहरों से थे। इसमें 56 फीसदी पुरुष थे, जबकि 44 फीसदी महिलाएं थीं। एक्सिस माई इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक प्रदीप गुप्ता ने कहा, भारत की स्थिर आर्थिक वृद्धि और कीमतों में गिरावट के संकेतों से उपभोक्ता विश्वास में सुधार हुआ है। महीने भर के त्योहारी उत्सवों ने इस भावना को बढ़ाने का काम किया है। स्वास्थ्य से संबंधित जैसे विटामिन, परीक्षण, स्वस्थ भोजन पर खर्च 39 फीसदी परिवारों के लिए बढ़ गया है। 29 फीसदी उपभोक्ता इस त्योहारी मौसम में अधिक खरीदारी कर चुके हैं या अधिक खरीदारी करने की योजना बना रहे हैं।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने आज के लिए पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। आज कंपनियों ने दिल्ली और चेन्नई में तेल के दामों में बदलाव किया है। सरकार ने कुछ महीने पहले पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाने की घोषणा की थी। देश में तेल के दाम लगभग पिछले 3 महीने से ज्यादा समय से स्थिर हैं। आज दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 111.35 रुपये व डीजल की कीमत 97.28 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

जानिए आपके शहर में कितना है दाम

पेट्रोल-डीजल की कीमत आप एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट पर जाकर आपको RSP और अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर भेजना होगा। हर शहर का कोड अलग-अलग है, जो आपको आईओसीएल की वेबसाइट से मिल जाएगा। बता दें कि प्रतिदिन सुबह छह बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। सुबह छह बजे से ही नई दरें लागू हो जाती हैं। पेट्रोल व डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसका दाम लगभग दोगुना हो जाता है। इन्हीं मानकों के आधार पर पर पेट्रोल रेट और डीजल रेट रोज तय करने का काम तेल कंपनियां करती हैं। डीलर पेट्रोल पंप चलाने वाले लोग हैं। वे खुद को खुदरा कीमतों पर उपभोक्ताओं के अंत में करों और अपने स्वयं के मार्जिन जोड़ने के बाद पेट्रोल बेचते हैं। पेट्रोल रेट और डीजल रेट में यह कॉस्ट भी जुड़ती है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)